डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक   संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-12   प्रयागराज, रविवार 27 मार्च, 2022 से शनिवार 02 अप्रैल, 2022 तक   पृष्ठ- 8   मूल्यः 3 रूपये

सिनेमाः मीना कुमारी की बायोपिक में ये एक्ट्रेस निभाने वाली...8)

संक्षिप्त समाचार

आइआइएमसी के कार्यक्रम में बोले अपूर्व चंद्रा, 'फैक्ट चैक' से लगेगी 'फेक न्यूज' पर लगाम

नई दिल्ली। 'फेक न्यूज' पर लगाम लगाने के लिए 'फैक्ट चैक' को महत्वपूर्ण बताते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा है कि सही खबरों को सही तरीके से आम जनता तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय में सरकारी सूचना तंत्र के माध्यम से लोगों तक सही जानकारी पहुंचाई गई, जिससे महामारी से बचाव में जनता को मदद मिली। चंद्रा शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आइआइएमसी) में भारतीय सूचना सेवा, ग्रुप 'ए' के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। चंद्रा ने कहा कि फेक न्यूज के युग में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों की जिम्मेदारी है। कोरोना के दौर में संचार के मायने बदल गए हैं। लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने के नए तरीके सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि सही सूचना के प्रयोग से आम आदमी किसी भी विषय पर सही निणय्र ले सकता है। इसलिए मीडिया और सोशल मीडिया के बदलते समय में सरकारी सूचना तंत्र के अधिकारियों को यह तय करना है जनता तक सही जानकारी पहुंचे। भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि अगर आप एक काबिल अधिकारी बनना चाहते हैं, तो आपको 'अफसर' की तरह नहीं, बल्कि एक 'कम्युनिकेटर' की तरह लोगों से संवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी सूचना प्रणाली के माध्यम से यह सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी छोटे से छोटे गांव में रहने वाले नागरिकों तक पहुंचे।

पीएम-केयर्स फंड का ब्योरा उजागर करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया जिसमें केंद्र सरकार को पीएम-केयर्स फंड के अकाउंट्स, गतिविधियों और खर्च का ब्योरा उजागर करने और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से आडिट की मंजूरी देने के निर्देश की मांग की गई थी। जस्टिस एल. नागेश्वर राव और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाई कोर्ट से संपर्क करने और इस मामले में पुनर्विचार दाखिल करने को कहा। याचिकाकर्ता व वकील दिव्य पाल सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत ने कहा कि मांगी गई राहत का दायरा बिल्कुल अलग है और इसमें पीएम-केयर्स फंड की वैधता व उसका ब्योरा उजागर करने की मांग की गई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का आज 31वां दिन, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में तेल डिपो को बनाया निशाना

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुए अब 31 दिन हो चुके हैं। लेकिन रूस लगातार यूक्रेन को

निशाना बना रहा है। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (ष्ठ) ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के चौतरफा युद्ध 24 फरवरी को शुरू होने के बाद से यूक्रेन में अस्पतालों, एम्बुलेंस और डाक्टरों पर 70 से अधिक हमले हुए हैं। इसी बीच, रूस के मुताबिक यूक्रेन जंग में अब तक 1,351 रूसी सैनिकों ने जान गंवाई है। हालांकि, यूक्रेन का दावा है कि इससे अधिक रूसी फौजी उनके हमले में मारे गए हैं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के जेद्दा शहर में फार्मूला वन स्पर्धा से पहले शुक्रवार को एक तेल डिपो पर हमला किया। इसके बाद सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के सना और होदेइदाह के खिलाफ जवाबी हमले शुरू कर दिए है।

भारतीय कंपनियों को हर साल अपने बेड़े में शामिल करने होंगे 110 से अधिक विमान : सिंधिया

हैदराबाद। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कोरोना महामारी से बुरी तरह प्रभावित विमानन क्षेत्र (एयरलाइंस सेक्टर) के फिर से अच्छे दिन लौटने की उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ ठीक रहा तो भारतीय कंपनियों को अपने बेड़े में प्रत्येक वर्ष

110 से 120 नए विमान शामिल करने होंगे। विंग इंडिया 2022 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि अगर कंपनियों को कई नए वैश्विक क्षेत्रों के लिए उड़ान शुरू करनी है तो उन्हें अपने बेड़े में बड़े आकार वाले विमान शामिल करने होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल तक घरेलू यात्रियों की संख्या 4.10 लाख प्रतिदिन पहुंच जाएगी और 2024-25 तक यात्रियों की तादाद रिकार्ड स्तर पर होगी। उन्होंने कहा, 'भारत का विमानन क्षेत्र बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है। ना केवल विमानन कंपनियों की संख्या बढ़ी है बल्कि एयरपोर्ट की तादाद में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे में कंपनियों को अपने बेड़े में नए विमान शामिल करना जरूरी होगा।' उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल तक घरेलू यात्रियों की संख्या 4.10 लाख प्रतिदिन पहुंच जाएगी और 2024-25 तक यात्रियों की तादाद रिकार्ड स्तर पर होगी। उन्होंने कहा, 'भारत का विमानन क्षेत्र बड़े पैमाने पर विस्तार कर रहा है। ना केवल विमानन कंपनियों की संख्या बढ़ी है बल्कि एयरपोर्ट की तादाद में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे में कंपनियों को अपने बेड़े में नए विमान शामिल करना जरूरी होगा।' उन्होंने कहा कि 2013-14 में सभी कंपनियों के पास कुल मिलाकर 400 विमान थे जो पिछले वर्ष बढ़कर 710 हो गए। एयरबस के एक शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को कहा था कि विमान बनाने वाली यूरोपीय कंपनी का मानना है कि भारत को अगले दो दशकों में लगभग 2200 विमानों की जरूरत होगी। सिंधिया ने कहा कि भारत में इस समय 9,000 से अधिक पायलट हैं और इनमें से 15 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह आंकड़ा पांच प्रतिशत के वैश्विक मानन से काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि घरेलू यात्रियों की संख्या 39 प्रतिदिन थी, जो कोरोना की तीसरी लहर के दौरान गिरकर लगभग 11 लाख रह गई। हालांकि अब यात्रियों की संख्या एक बार फिर से बढ़कर 38 लाख से ज्यादा हो गई है, जो कोरोना पूर्व के 41 लाख यात्रियों की संख्या के करीब है। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की बात करें तो 2018-19 में यह छह करोड़ थी जो कोरोना प्रतिबंधों के बाद गिरकर लगभग एक करोड़ रह गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि 27 मार्च से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने के बाद देश दुनिया के बाकी हिस्सों से फिर से जुड़ जाएगा।

भविष्य रोशन करेगा 60 मिनट का अंधियारा, विश्व के 190 से ज्यादा देश अर्थ आवर की पहल से जुड़े

नई दिल्ली। एक छोटी सी पहल कैसे बड़े बदलाव का वाहक बन जाती है, इसका उदाहरण है अर्थ आवर। एक बार फिर दुनिया के 190 से ज्यादा देश 60 मिनट अंधियारे में बिताएंगे, ताकि धरती का भविष्य रोशन किया जा सके। व?र्ल्ड वाइड फंड फार नेचर (डब्लूयूडब्लूयूएफ) की अगुआई में अर्थ आवर हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को मनाया जाता है। इस दौरान लोग एक घंटे (रात साढ़े आठ से साढ़े नौ बजे तक) के लिए घर और आफिस की गैरजरूरी बत्तियां बंद कर देते हैं बिजली बचाने के लिए यह कदम न सिर्फ बचत का माध्यम बनता है, बल्कि इससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिकता का भाव भी आता है। यह दिखाता है कि मिलकर प्रयास करें, तो अगली पीढ़ी के लिए बेहतर विश्व बनाया जा सकता है। भारत में इस साल अर्थ आवर पहल में दैनिक जागरण समूह भी सहभागी है। कोरोना महामारी से उबरती दुनिया के बीच इस साल अर्थ आवर की थीम 'शेप अवर फ्यूचर' यानी 'अपने भविष्य को संवारें' है। इस पहल को लेकर डब्लूयूडब्लूयूएफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल और सीईओ रवि सिंह ने बताया कि अर्थ आवर दुनिया की सबसे बड़ी पर्यावरण मुहिम में से एक है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे के बीच अर्थ आवर की प्रासंगिकता भी लगातार बढ़ी है। आज यह पहल पूरी दुनिया में जगह बना चुकी है। इसने जलवायु परिवर्तन से जुड़े खतरों के प्रति लोगों को जागरूक किया है।31 मार्च, 2007

को 22 लाख लोगों और 2000 कंपनियों ने आस्ट्रेलिया के सिडनी में बत्तियों को एक घंटे के लिए बंद रखकर इस पहल की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे सबने इसकी महत्ता को समझा और आज 190 से अधिक देश इस अभियान से जुड़ गए हैं। अब ज्यादा से ज्यादा लोग स्वैच्छिक रूप से इसका हिस्सा बन रहे हैं।इस पहल की प्रासंगिकता के बारे में रवि कहते हैं कि अर्थ आवर का उद्देश्य लोगों को प्रोत्साहित करना है ताकि लोग जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में संकल्प लें। अर्थ आवर पर्यावरण के प्रति आपके समर्थन को दर्शाता है। अर्थ आवर में एक घंटे भाग लेकर हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। अर्थ आवर हमारी जिंदगी में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस एक घंटे में हम यह सोचें कि पर्यावरण को बेहतर करने के लिए अकेले और सामूहिक तौर पर क्या कदम उठाए जा सकते हैं।

पेगासस जांच कमेटी ने साइबर सुरक्षा की मजबूती पर लोगों से मांगी राय, 11 सवालों पर जनता से 31 मार्च तक जवाब देने का आग्रह

नई दिल्लीः पेगासस मामले की जांच कर रही तकनीकी समिति ने गैर कानूनी जासूसी पर रोक लगाने और तंत्र को चाक चौबंद बनाने पर जनता से राय मांगी है। समिति ने 11 सवालों पर 31 मार्च तक जवाब देने को कहा है। लोग पेगासस इंडिया इंवेस्टिगेशन साइट पर जाकर पूछ गए सवालों के आनलाइन ही जवाब दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर 2021 को विवादित पेगासस जासूसी मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश आरवी रवीन्द्रन की निगरानी में तीन सदस्यीय तकनीकी कमेटी गठित की थी। कोर्ट ने इजराइली स्पाईवेयर के जरिए भारतीय नागरिकों जिसमें पत्रकारों, राजनेताओं और जानमानी हस्तियां शामिल थीं, के फोन की टैपिंग और निगरानी किये जाने के बारे में मीडिया में आयी खबरों पर पूरे मामले की जांच कराए जाने की मांग स्वीकार करते हुए ये आदेश दिये थे। कोर्ट ने कमेटी से जल्दी से जल्दी जांच पूरी करके कोर्ट को रिपोर्ट सौंपने को कहा था। अभी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत की रक्षा, पब्लिक आर्डर बनाए रखने और अपराधों की जांच के लिए नागरिकों के व्यक्तिगत और निजी बातचीत की निगरानी करती है। क्या इससे संबंधित कानून ठीक है या इसमें बदलाव की जरूरत है क्या टेलीग्राफ एक्ट और आइटी के तहत डिजिटल संवाद की निगरानी के लिए तय व्यवस्था, गैरकानूनी और अत्यधिक निगरानी को रोकने तथा दुरुपयोग पर

अंकुश लगाने के लिए पर्याप्त है ? अगर मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है तो नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों और राष्ट्र की सुरक्षा तथा पब्लिक आर्डर के हित को संतुलित करते हुए और क्या ठोस सुरक्षात्मक उपाय करने की जरूरत है सरकार द्वारा किसी नागरिक के डाटा को निशाना बनाए जाने पर शिकायत निवारण का क्या तंत्र होना चाहिए। टारगेटेड सर्विलांस की शिकायत निवारण के लिए मंच क्या होना चाहिए।

जून से आकासा एयर शुरू करेगी सेवा, जुलाई से फिनएयर शुरू करेगी मुंबई से हेलसिंकी के बीच सीधी उड़ान

हैदराबाद। किफायती विमान सेवा देने वाली आकासा एयर इसी साल जून से पहली वाणिज्यिक सेवा शुरू कर सकती है। कंपनी के सीईओ विनय दुबे ने शुक्रवार को यह एलान

हैदराबाद में किया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया है कि सबसे पहले किन शहरों के बीच विमान सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी परिचालन से जुड़े लाइसेंस प्राप्त करने में जुटी है। भारत के वारेन बफेट कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला इस कंपनी के प्रमोटर हैं। कंपनी ने 12 महीने में 18 विमान और पांच साल में 72 विमान अपने बेड़े में जोड़ने की योजना बनाई है। पीटीआइ के मुताबिक फिनएयर मुंबई से हेलसिंकी के बीच सीधी उड़ान शुरू करेगी। यह सेवा इसी साल जुलाई से शुरू होगी। पांच अप्रैल से लोग बुकिंग करा सकेंगे। यह उड़ान सप्ताह में तीन बार यानी बुधवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित होगी। वहीं वर्जिन अटलांटिक एक जून से दिल्ली और लंदन के बीच दूसरी दैनिक उड़ान शुरू करेगी। यह उड़ान लंदन स्थित हीथ्रो एयरपोर्ट से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के बीच संचालित की जाएगी। पीटीआइ के मुताबिक विमान निर्माता कंपनी एयरबस ने शुक्रवार को कहा कि उसने हेलीकाप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस डेवलप करने के लिए एयरलिफ्ट ग्लोबल के साथ एक समझौता किया है। दोनों कंपनियों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हैदराबाद में चल रहे विंग्स इंडिया 2022 के दौरान किए गए। एयरबस की तरफ से भारत और दक्षिण एशिया में कंपनी के प्रमुख सनी गुगलानी ने हस्ताक्षर किए। उधर, स्पाइसजेट, बोइंग और सीएसआइआर-इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पेट्रोलियम (आइआइपी) ने शुक्रवार को एलान किया कि वे भारतीय विमानन उद्योग में टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) के उपयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

कानून मंत्री ने कहा- विभिन्न अदालतों में 4.70 करोड़ मामले लंबित, इनमें से 70,154 केस सुप्रीम कोर्ट के पास

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि देश की विभिनन्‍ अदालतों में 4.70 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट में इस साल दो मार्च तक 70,154 मामले लंबित थे। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने अपने लिखित जवाब में कहा कि 25 उच्च न्यायालयों में 21 मार्च तक 58,94,060 मामले लंबित थे। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार में लंबित मामलों का आंकड़ा नेशनल ज्युडिशियल डाटा ग्रिड के पास उपलब्ध नहीं है। कानून मंत्री ने कहा कि लंबित मामलों का निपटारा न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। संबंधित

अदालतों द्वारा विभिनन्‍ तरह के मामलों का निपटारा करने के लिए कोई समय सीमा प्रस्तावित नहीं है। ऐसे कई कारण हैं, जिनके चलते मामलों पर फैसला सुनाने में देरी हो सकती है। इनमें न्यायाधीश के पदों की रिक्तियां, बार-बार स्थगन और निगरानी तथा ट्रैक करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था का अभाव शामिल है। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि पूर्व न्यायाधीशों एवं अधिकारियों को संसद और विधान मंडलों में प्रवेश करने से रोकने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार संसद और राज्य विधान मंडलों के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि, पेशा या पिछली नौकरी के संबंध में कोई आंकड़ा नहीं रखती है। बताते चलें कि कुछ सैन्य अधिकारी और न्यायाधीश सेवानिवृत्त होने के बाद संसद सदस्य बने हैं। इलेक्ट्रानिक्स और आइटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राज्यसभा में कहा कि सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत इस साल 1,311 वेब लिंक ब्लाक किए हैं। इनमें से 1,264 वेब लिंक इलेक्ट्रानिक्स और आइटी मंत्रालय ने ब्लाक किए। 47 लिंक को सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने ब्लाक किया। उन्होंने कहा, इलेक्ट्रानिक्स और आइटी मंत्रालय के पास इस बात का अधिकार है कि वह किसी सूचना को ब्लाक करने के लिए निर्देश जारी कर सके। एएनआइ के अनुसार, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने राज्यसभा को बताया कि 29 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना का लाभ मिल चुका है। एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि इस समय देशभर में 20 मेगा फूड पार्क का काम या तो पूरा हो चुका है या फिर इसका संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा 41 मेगा फूड पार्क की स्वीकृति दी जा चुकी है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने लोकसभा को बताया कि वह केंद्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड भंग करने को लेकर व्यय विभाग की सिफारिशों से सिद्धांत रूप में सहमत है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि संपत्तियों का आकलन, वित्तीय जवाबदेही और कार्यबल आदि का आकलन करने के बाद ही बोर्ड को भंग करने का काम शुरू किया जाएगा। एक अन्य सवाल के जवाब में इरानी ने कहा कि स्वाधार गृह में रहने वाली महिलाओं की संख्या कम नहीं है। 2021-22 में अखिल भारतीय स्तर पर 76.2 प्रतिशत आवास भरे हुए थे।

चीन में पढ़ाई करने की ख्वाहिश रखने वाले छात्रों को यूजीसी ने किया आगाह कहा- सोच समझकर ही लें दाखिला

नई दिल्ली। चीन में पढ़ाई करने की ख्वाहिश रखने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने आगाह किया है। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक यूजीसी ने ऐसे छात्रों को चीन में जारी कोविड पाबंदियों को ध्यान में रखने की सलाह देते हुए कहा है कि कई छात्र इन पाबंदियों के कारण अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए वहां नहीं जा सके हैं। चूंकि चीनी प्राधिकारियों ने आनलाइन मोड में पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराए जाने की बात कही है लेकिन इसे लेकर भी सतर्क रहने की दरकार है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एक सार्वजनिक नोटिस में यह भी कहा है कि नियमों के अनुसार यूजीसी और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) बिना पूर्व स्वीकृति के केवल आनलाइन मोड में किए गए ऐसे पाठ्यक्रमों को मान्यता नहीं देते हैं। गौर करने वाली बात

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

यह है कि यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब कुछ चीनी विश्वविद्यालयों ने वर्तमान और आगामी शैक्षणिक वर्षो के लिए विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए नोटिस जारी किया था। यूजीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि छात्रों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि चीन ने सख्त कोविड-19 पाबंदियां लागू कर रखी हैं। यही नहीं चीन ने नवंबर 2020 से सभी वीजा निलंबित हैं। इन पाबंदियों के चलते बड़ी संख्या में भारतीय छात्र अपने कोर्सों को पूरा करने के लिए चीन नहीं लौट सके हैं। चूंकि अब चीन की ओर से कहा जा रहा है कि आनलाइन माध्यम से पढ़ाई करिये लेकिन इस बारे में भी सतर्कता बरतने की जरूरत है। मौजूदा नियमों के अनुसार यूजीसी और एआइसीटीई बिना पूर्व अनुमति के केवल आनलाइन मोड से कई डिग्री पाठ्यक्रमों को मान्यता नहीं देते हैं। ऐसे में छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे सोच समझकर ही आनलाइन मोड से पढ़ाए जाने वाले शिक्षा के पाठ्यक्रमों में दाखिला लें ताकि भविष्य में रोजगार या अन्य समस्याओं से बचा जा सके।

हिजाब बैन के खिलाफ मुस्लिम छात्राओं का साथ देगा पीएफआइ, सरकार पर बोला हमला

बेंगलुरू। कर्नाटक के विवादित हिजाब मामले को पापुलर फ्रंट आफ इंडिया नामक एक संस्था ने हवा देने का किया है। अपने एक बयान में संस्था ने कहा है कि वो हिजाब पर प्रतिबंध के खिलाफ कर्नाटक की मुस्लिम छात्राओं का हर कदम पर साथ देंगे। पिछले दिनों कर्नाटक हाई कोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों पर हिजाब प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। छात्राओं को बिना हिजाब के कक्षाओं में जाने की अनुमति होगी। पापुलर फ्रंट आफ इंडिया ने अपने मलप्पुरम राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में पारित प्रस्ताव का विवरण साझा किया है। अपने एक बयान में संस्था ने कहा कि कर्नाटक में बीजेपी सरकार राजनीतिक उद्देश्यों के चलते मुस्लिम धर्म के लोगों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा यह दुर्भाग्य है कि, हाई कोर्ट इसे देखने में विफल रहा है और कोर्ट ने सदियों से चली आ रही मुस्लिम महिलाओं की प्रथा के खिलाफ स्टैंड लिया है।

पीएम मोदी की मौजूदगी में योगी आदित्यनाथ ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ, मौर्य व पाठक बने डिप्टी सीएम

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत तथा लगातार दूसरी बार सरकार बनाने में अहम भूमिका अदा करने वाले योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के 20वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ ही डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक ने भी उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इनके साथ 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभारी और 20 राज्यमंत्री ने शपथ ग्रहण की। योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी के इकाना स्टेडियम में दोबारा यूपी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।योगी आदित्य नाथ को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई है। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री और बीजेपी शासित राज्यों के सीएम शामिल हुए। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खनन, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह और बेबी रानी मौर्य ने उत्तर प्रदेश के मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेन्द्र सिंह चौधरी, अनिल राजभर, जितिन प्रसाद, राकेश सचान, अरविन्द कुमार शर्मा, योगेन्द्र उपाध्याय, आशीष पटेल और निषाद पार्टी के संजय निषाद ने कैबिनेट मंत्री

की शपथ ली कैबिनेट मंत्री के बाद स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। दो-दो मंत्रियों को एक साथ शपथ दिलाई गई। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल व कपिल देव अग्रवाल, रवीन्द्र जायसवाल व संदीप सिंह, गुलाब देवी व गिरीश चन्द्र यादव, धर्मवीर प्रजापति व असीम अरुण, जेपीएस राठौर व दयाशंकर सिंह तथा नरेन्द्र कश्यप व दिनेश प्रताप सिंह, तथा अरुण कुमार सक्सेना व दयाशंकर मिश्र 'दयालू' ने राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पद की शपथ ली गई। स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्रियों के बाद चार-चार राज्य मंत्रियों ने एक साथ शपथ ग्रहण की। मयंकेश्वर शरण सिंह, दिनेश खटीक, संजीय गौंड, बलदेव सिंह औलख व अजीत पाल ने एक साथ शपथ ली। जसवंत सैनी, रामकेश निषाद, मनोहर लाल 'मुनू कोरी' संजय गंगवार व बृजेश सिंह ने साथ-साथ शपथ ली। केपी मलिक, सुरेश राही, सोमेंद्र तोमर व अनूप प्रधान 'वाल्मीकि' ने एक साथ शपथ ली। प्रतिभा शुक्ला, राकेश राठौर 'गुरु' रजनी तिवारी व सतीश शर्मा ने शपथ ली। दानिश आजाद अंसारी व विजय लक्ष्मी गौतम ने एक साथ शपथ ली उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्य नाथ के रूप में विधायक दल के नेता भी दोबारा मिला है। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है। योगी आदित्यनाथ शाम को चार बजे अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो उपमुख्यमंत्री और 50 मंत्रियों के साथ शपथ ली। इनमें से 22 मंत्री उनकी पहली सरकार के कार्यकाल के है। शपथ ग्रहण के बाद शाम को सात बजे योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल की पहली बैठक होगी।

इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। ऑफलाइन परीक्षा कराने के विरोध में छात्रों का जमकर प्रदर्शन, छात्रों की मांग ऑनलाइन कराई जाए परीक्षा, ऑनलाइन परीक्षा कराए जाने

की मांग को लेकर हजारों की संख्या में छात्र हुए एकत्रित, प्रदर्शनकारी छात्रों ने वीसी ऑफिस का किया घेराव, विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शनकारी छात्र कर रहे नारेबाजी लगभग 1 महीने से छात्रों का चल रहा है प्रदर्शन, विश्वविद्यालय से मिले आश्वासन के बाद परीक्षा ऑनलाइन ना कराने से छात्रों में भारी आक्रोश वीसी कार्यालय के बाहर छात्रों ने आत्महत्या का किया प्रयास, कई दर्जन छात्रों ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की किए कोशिश विश्वविद्यालय परिसर में भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात आत्महत्या करने वाले छात्रों को पुलिस बल ने रोका फायर ब्रिगेड की गाड़ी विश्वविद्यालय परिसर में बुलाई गई, सैकड़ों छात्रों को पानी से धोया गया, लगभग आधा दर्जन छात्रों ने पेट्रोल भी पीया पेट्रोल पीने वाले छात्रों की हालत खराब, पुलिस मशक्कत के बाद भी छात्र इलाज के लिए नहीं जा रहे हैं वाइस चांसलर कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में एकत्रित छात्र कर रहे नारेबाजी

अपना दल के आशीष पटेल के मंत्री बनने पर किया खुशी का इजहार

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपना दल एस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं एम0एल0 सी0आशीष पटेल को उत्तर प्रदेश सरकार में केबिनेट मंत्री बनाए जाने पर अपना दल के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है विश्वनाथगंज इकाई के अध्यक्ष लल्लू वर्मा के साथ ही सतीश कुमार चौरसिया,छोटे लाल वर्मा,मोती लाल चौधरी,बी0एल0 पटेल,राजेन्द्र गुरूजी,गिरजेश कुमार विश्वकर्मा साईं,शिवमूर्ति वर्मा,मुरारी लाल वर्मा, डॉ0 सदाशिव वर्मा,राजेंद्र यादव ने उनके मंत्री बनने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए खुशी का इजहार किया है।साथ ही पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए आशीष पटेल कार्य करेंगे ऐसा इन कार्यकर्ताओं

ने विश्वास जताया है।

पत्रकार की माँ के निधन पर दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। सगरा सुंदरपुर निवासी पत्रकार कुलदीप शुक्ल की माँ प्रेमा शुक्ला (72 वर्ष)के निधन पर पत्रकारों,कवियों एवं शिक्षकों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।उनके निधन तिवारी,अनंत सिंह तोमर,डॉ0संजीत शुक्ला, संदीप पाण्डेय,दुर्गेश शुक्ल,प्रिंस प्रजापति, राहुल चौधरी, रामबरन बरनवाल आदि पत्रकारों ने उन्हें अपनी शोकांजलि प्रदान की। इसके अलावा लोकेश त्रिपाठी, ओम प्रसाद मिश्र, सुरेश नारायण दुबे ब्योम,शकील

पर राष्ट्रीय कवि एवं द जरानलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष डॉ0रणजीत सिंह ने उनके आवास पर पहुँचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवार को ऐसे दुःख को सहने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।उनके निधन की जानकारी पाकर संगठन के जिला अध्यक्ष अजय सोनी, अरविंद दुबे,फारुख खान,दयाशंकर साहिर आदि कवियों तथा शिक्षक विनोद तिवारी,अरुण कुमार शुक्ल, अनिल कुमार सिंह, सुधाकर सिंह व प्रधान प्रतिनिधि सगरा सुंदरपुर श्यामजी जायसवाल, प्रधान हन्डौर नीतेश सिंह बीरू,गिरिजेश विश्वकर्मा साईं, सतीश कुमार चौरसिया ,छोटे लाल वर्मा, लल्लू वर्मा अध्यक्ष विश्वनाथगंज अपना दल आदि ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है।

73 प्रशिक्षार्थियों का किया गया चयन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आई0टी0आई0 उत्तीर्ण/प्रशिक्षणरत प्रशिक्षार्थियों को चयनित किया गया। रोजगार प्राप्त कराने हेतु कैम्पस ड्राइव का आयोजन किया गया जिसमें कुल 188 प्रशिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कैम्पस ड्राइव आयोजन में डिक्सन टेकनेलॉजीज कम्पनी द्वारा 73 प्रशिक्षार्थियों का चयन किया गया।

14मई को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 14मई को राष्टरीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है उ0प्र0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के आदेशानुसार दिनांक 14 मई 2022 दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से जनपद मुख्यालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद), आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। वादकारी अपने सम्बन्धित न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित कराकर लोक अदालत का लाभ उठाये।

एम.आर. शेरवानी इंटर कॉलेज सलाहपुर हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की हिंदी प्रश्न पत्र की परीक्षा शांतिपूर्वक हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। एम. आर. शेरवानी इंटर कॉलेज सलाहपुर परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली की हाई स्कूल व दूसरी पाली में इंटरमीडिएट हिंदी प्रशन पत्र की परीक्षा संपनन कराई गई परीक्षा केंद्र पर शांति व्यवस्था बनाने के लिए दृष्टिगत सरकार द्वारा जो भी निर्देश दिए गए हैं उसका पालन करते हुए परीक्षा केंद्र पर पुलिस प्रशासन मौजूद रही। एम.आर. शेरवानी इंटर कॉलेज के परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में हाई स्कूल के 285 परीक्षार्थी की परीक्षा होनी थी जिसमें 51 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी पाली में इंटरमीडिएट के 375 विद्यार्थियों की परीक्षा होनी थी जिसमें से 29 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। विद्यालय में 10 कक्षाओं में परीक्षा संपनन कराने हेतु व्यवस्था सकुशल रही। ड्यूटी में लगे अध्यापकों ने प्रथम पाली व दूसरी पाली में परीक्षा करा कर सकुशल संपन्न कराया। केंद्र व्यवस्थापक विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद याकूब व स केंद्र व्यवस्थापक उत्तम सिंह एवं एग्जाम इंचार्ज राशिद महमूद व अहमद कमाल ने दोनों पालियो में मौजूद रहकर परीक्षा को सफल बनाया।

जनपदवासियों ने देखा शपथ ग्रहण समारोह का सजीव प्रसारण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करते समय जनपदवासियों ने इसके सजीव प्रसारण देखने का लाभ उठाया। महामहिम राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा मा0 प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी, मा0 गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह, मा0 रक्षामंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह, मा0 सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा अन्य मंत्रीगणों की उपस्थिति में भारत रतन अटल बिहारी बाजपेयी अन्तर्राष्ट्रीय इकाना क्रिकेट स्टेडियम लखनऊ में शपथ दिलाया गया। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट परिसर सहित ब्लाक मुख्यालय, नगर पालिका परिषद बेल्हा, नगर पंचायतों आदि स्थानों पर एलईडी स्क्रीन/टी0वी0 के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व अन्य सम्भ्रान्त लोगों द्वारा देखा गया।

योगी सरकार की मंत्रीमंडल मे केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक बने उपमुख्यमंत्री

(आधुनिक समाचार ब्यूरो)

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्यनाथ के रूप में विधायक दल के नेता भी दोबारा मिला है। भाजपा का फोकस इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो उपमुख्यमंत्री और 50 मंत्रियों के साथ शपथ ली। इनमें से 22 मंत्री उनकी पहली सरकार के कार्यकाल के हैं। शपथ ग्रहण के बाद शाम को सात बजे योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल की पहली बैठक होगी। योगी आदित्यनाथ

मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है। योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना सरकार में केशव प्रसाद मौर्य ब्रजेश पाठक को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। पार्टी में ब्रजेश पाठक का कद बढ़ाया गया है। इससे तय हो गया कि भाजपा अब ब्राह्मणों की लीडरशिप में बदलाव कर रही है। इसी के साथ दो उपमुख्यमंत्री, 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभारी और 20 राज्यमंत्री ने शपथ ग्रहण की। योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 के मंत्री केशव प्रसाद मौर्य - उपमुख्यमंत्रीब्रजेश पाठक - उपमुख्यमंत्रीस्वतंत्र देव सिंह - मंत्रीसूर्य प्रताप शाही - मंत्रीसुरेश कुमार खनन - मंत्रीबेबी रानी मौर्य - मंत्रीलक्ष्मी नारायण चौधरी - मंत्रीजय वीर सिंह - मंत्रीधर्मपाल सिंह - मंत्रीनंद गोपाल नंदी, विधायक - मंत्रीभूपेन्द्र सिंह चौधरी - मंत्रीअनिल राजभर - मंत्रीजितिन प्रसाद - मंत्रीराकेश सचान - मंत्रीअरविंद कुमार शर्मा - मंत्रीयोगेंद्र उपाध्याय - मंत्रीआशीष पटेल - मंत्रीसंजय निषाद - मंत्री नितिन अग्रवाल - स्वतंत्र प्रभारकपिल देव अग्रवाल - स्वतंत्र प्रभाररविन्द्र जायसवाल - स्वतंत्र प्रभारसंदीप सिंह - स्वतंत्र प्रभारगुलाब देवी - स्वतंत्र प्रभारगिरीष चंद यादव - स्वतंत्र प्रभारधर्मवीर प्रजापति - स्वतंत्र प्रभारअसीम अरुण - स्वतंत्र प्रभारजेपीएस राठौर - स्वतंत्र प्रभारदयाशंकर सिंह - स्वतंत्र प्रभारनरेन्द्र कश्यप - स्वतंत्र प्रभारदिनेश प्रताप सिंह - स्वतंत्र प्रभारअरुण कुमार सक्सेना - स्वतंत्र प्रभारदयाशंकर मिश्र दयालु - स्वतंत्र प्रभ मयंकेश्वर शरण सिंह - राज्य मंत्रीदिनेश खटीक - राज्य मंत्रीसंजीय गौंड - राज्य मंत्रीबलदेव सिंह औलख - राज्य मंत्रीअजीत पाल - राज्य मंत्रीजसवंत सैनी - राज्य मंत्रीरामकेश निषाद - राज्य मंत्रीमनोहर लाल 'मुनू कोरी' -राज्य मंत्रीसंजय गंगवार - राज्य मंत्रीबृजेश सिंह - राज्य मंत्रीकेपी मलिक - राज्य मंत्रीसुरेश राही - राज्य मंत्रीसोमेंद्र तोमर - राज्य मंत्रीअनूप प्रधान 'वाल्मीकि' - राज्य मंत्रीप्रतिभा शुक्ला - राज्य मंत्रीराकेश राठौर 'गुरु' - राज्य मंत्रीरजनी तिवारी - राज्य मंत्रीसतीश शर्मा - राज्य मंत्रीदानिश आजाद अंसारी - राज्य मंत्रीविजय लक्ष्मी गौतम - राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रही भारतीय जनता पार्टी को योगी आदित्यनाथ के रूप में विधायक दल के नेता भी दोबारा मिला है। भाजपा का फोकस मिशन 2024 पर है, इसको देखते हुए योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल 2.0 में जातीय व क्षेत्रीय समीकरण के साथ पुरानी कैबिनेट में रहे विधायकों का सम्मान भी बरकरार रखा गया है। योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को शाम को चार बजे अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 50 मंत्रियों के साथ शपथ लेंगे। इनमें से 22 मंत्री उनकी पहली सरकार के कार्यकाल के हैं।

किसी ने नहीं लिया नामांकन प्रपत्र वापस

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पद के निर्वाचन हेतु नामांकन स्थल विकास भवन के कक्ष सं0-02 में विधान परिषद के सदस्य पद हेतु किसी भी अभ्यर्थी ने नामांकन प्रपत्र वापस नहीं लिया। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ0 नितिन बंसल, सामान्य प्रेक्षक कंचन वर्मा, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/ सहायक निर्वाचन अधिकारी मुकेश चन्द्र उपस्थित रहे।

निरीक्षण में साफ-सफाई तथा समय से जनता की सुनवायी सुनिश्चित करें-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने सदर तहसील का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लम्बित प्रकरणों तथा चल रही जन सुनवाई का जायजा लिया। तहसील में साफ-सफाई ठीक न मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा तहसील के चारों तरफ भ्रमण कर जायजा लिया तथा निर्देशित किया कि समय से तहसील में उपस्थित रहकर जनता की सुनवायी सुनिश्चित करें तथा जो भी लम्बित प्रकरण है,

उसे गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण की कार्यवाही करें तथा फाइलों के रख-रखाव को भी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री हर्षदेव पाण्डेय, एसडीएम सदर सौरभ भट्ट सहित सम्बंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लेखपाल शफीक अहमद कर रहे कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रयागराज का द्विवार्षिक चुनाव 27 मार्च को होना है जिसमे बतौर जिला कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी कर रहे कपसा निवासी तेजतर्रार लेखपाल शफीक अहमद तहसील हंडिया क्षेत्र के सरायहरिराम गाँव में कार्यरत है।उन्होंने लेखपाल साथियों से जनसमर्थन और सहयोग के लिए अपील करते हुए कहा कि अगर उन्हें उक्त दायित्व पर निर्वाचित होने का मौका मिला तो अपने लेखपाल संघ की गरिमा को कायम रखते हुए अपने पद का कुशलता पूर्वक निर्वहन करेंगे और लेखपाल साथियों की मान सम्मान के प्रति हमेशा समर्पित रहूंगा।

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार लैंगिक असमानता के मद्देनजर, गर्लअप अविशा, अपने नाम के अनुरूप

(आधुनिक समाचार सेवा)

महिलाओं को 'ईश्वर का उपहार' मानती है और इन सितारों को एक ऐसे तारामंडल में बदलने का लक्ष्य रखती है जो प्रकाश सबका आसमान ऊपर। यह ध्यान में रखते हुए कि परिवर्तन अपरिहार्य है, हमारा लक्ष्य दलितों, विशेषकर महिलाओं को उनके समग्र विकास के लिए पर्याप्त संसाधनों के साथ सुविधा प्रदान करके समाज में सुधार करना है। हमारा उद्देश्य अनसुने लोगों की आवाज बनना है और उन्हें उनके अवरोध और आशंकाओं से छुटकारा पाने के लिए एक मंच प्रदान करना है प्रोजेक्ट उननति के तहत, हमने एनजीओ ज्ञानदीप के छात्रों को उनकी आंतरिक क्षमताओं को अनलॉक करने के लिए सहायता और सहायता प्रदान करने के अपने पारस्परिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सीडीएफ गार्गी के साथ सहयोग किया है। हम छात्रों को कम

उम्र में विश्लेषणात्मक, भावनात्मक और संचार कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए शैक्षिक वेबिनार, मजेदार और इंटरैक्टिव कार्यशालाएं और ज्ञानवर्धक खेल सत्र आयोजित करते हैं। मुझे ज्ञानदीप और भारत के छात्रों द्वारा महिला सशक्तिकरण और व्यक्तित्व विकास के बारे में बात करने के लिए छात्रों के लिए आमंत्रित किए जाने पर बहुत खुशी हो रही है. में कौशाकी सोंधी प्रिंसिपल होली पब्लिक गर्ल्स स्कूल, आगरा, बोर्ड ऑफ एडवाइजर भारत यूनिवर्सिटी, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ टेकनेलॉजी एंड इंजिनियारिंग, एजुकेशन एंबेसडर इंटरनेशनल इंटर्नशिप यूनिवर्सिटी, मेंटर ऑफ चेंज नीति आयोग उपाध्यक्ष महिला अधिकारिता अखिल भारतीय मानवाधिकार स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय परिषद , राष्ट्रीय समाचार और प्रसारण परिषद दिल से धन्यवाद देना चाहती हूँ - हर्षिता भट्ट (अध्यक्ष) - गार्गी कॉलेज, डीयू इशिता त्यागी (उपाध्यक्ष) - श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, डीयू उत्कर्ष कालरा (महासचिव)-दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, डीयू वंशिका जैन (संयुक्त सचिव) - गार्गी कॉलेज, डीयू स्पर्श गोयल (कोषाध्यक्ष) - आर्यभट्ट कॉलेज, डीयू गर्लअप अविशा दक्षिण दिल्ली में काम करती है। इस महिला सशक्तिकरण सत्र में 'ब्रेकिंग द साइलेंस' शीर्षक से, हमारा उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, महिला अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। हम रूढ़ियों को तोड़ने और लैंगिक समानता की एक बड़ी तस्वीर प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 37 बिंदुओं के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों से परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए परियोजनाओं में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान देने के लिए सभी कार्यदायी संस्थाओं के नोडल तथा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने नहरों में सिल्ट सफाई के कार्य की जानकारी ली तथा सही जानकारी न दे पाने के कारण सहायक अभियंता सिंचाई(यमुनापार) को स्पष्टीकरण तलब तथा उन्होंने जो भी तलाब है, उसे कैनाल द्वारा भरने के निर्देश दिए है। उन्होंने लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा करते हुए अधिशाषी अभियंता को निर्देशित किया है कि बोरिंग के कार्यों में और तेजी लायी जाये तथा लक्ष्य के सापेक्ष उसे पूर्ण किया जाये। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए कहां कि जिस भी विभाग का विद्युत बिल अभी तक बकाया है, उसे समय से जमा किये जाने के निर्देश दिये है

तथा मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया है कि पशुओं के लिए चारे तथा उनका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने पोषण अभियान के तहत उपलब्ध कराये जा रहे पोषण(खाद्यानन) की गुणवत्ता व वितरण का सत्यापन कराकर इसकी मानीटरिंग करते रहने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, डीडीओ श्री ए0के मौर्या, डीएसटीओ श्री जितेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

योगी कैबिनेट में बलिया के दो चेहरे पहली बार विधायक बने दयाशंकर सिंह बने मंत्री,दानिश आजाद के नाम ने बागी धरती को चौंकाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल प्रसाद गुप्त

बलिया।उत्तर-प्रदेश के योगी कैबिनेट में बलिया के दो चेहरे शामिल हैं।पहली बार बलिया नगर सीट से विधायक बने भाजपा के कद्दावर नेता दयाशंकर सिंह और दानिश आजाद को राज्यमंत्री बनाया गया है।दानिश आजाद न विधायक हैं और ना ही एमएलसी।जिनको लेकर इस बागी धरती पर चौकाने वाले सरकार के इस पहल की खूब चर्चा है। उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया के तौर पर आज लगातार दूसरी बार योगी आदित्यनाथ ने शपथ ग्रहण किया। योगी आदित्यनाथ यूपी के 33वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। योगी सरकार के नए मंत्रिमंडल में 52 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इसमें बलिया के दो चेहरे भी शामिल हैं। पहली बार बलिया नगर सीट से विधायक बने भाजपा के कद्दावर नेता दयाशंकर सिंह और दानिश आजाद का नाम शामिल है। दानिश आजाद न विधायक हैं और ना ही एमएलसी! उन्हें राज्यमंत्री बनाए जाने से लोग चौंक उठे। बलिया में समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता नारद राय को हराने वाले दयाशंकर सिंह को योगी कैबिनेट में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नियुक्त किया गया है।योगी सरकार के पहले कार्यकाल में भी बलिया जिले से दो मंत्री उपेंद्र तिवारी और आनंद स्वरूप शुक्ला बनाए गए थे। इस बार विधानसभा चुनाव में दोनों की हार हुई। दयाशंकर सिंह ने पूर्व मंत्री नारद राय को दी मात दयाशंकर सिंह ने बलिया नगर विधानसभा सीट से सपा प्रत्याशी व पूर्व मंत्री नारद राय को 26239 वोटों से हराया था। शहरी सीट होने के कारण यहां के चुनाव पर हमेशा सबकी नजरें टिकी रहती हैं, लेकिन इस बार मुकाबला ज्यादा दिलचस्प रहा। दयाशंकर सिंह पर पार्टी ने विश्वास जताया और वह उस पर खरे उतरे। पिछली योगी आदित्यनाथ सरकार में दयाशंकर सिंह की पतनी स्वाति सिंह भी मंत्री थीं। लेकिन इस बार स्वाति सिंह को पार्टी से टिकट नहीं मिला। बलिया के दानिश आजाद यूपी के इकलौते मुस्लिम मंत्री योगी कैबिनेट ने इस बार सियासी गलियारे में सबको चौंका दिया है। योगी कैबिनेट में कई ऐसे

नाम शामिल हुए हैं, जो हर किसी को हैरान करने वाले हैं। इनमें से कुछ तो ऐसे हैं जो किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। इनके नामों की चर्चा भी कहीं नहीं थी। इनमें वाराणसी के दयाशंकर मिश्र 'दयालु' और बलिया के दानिश आजाद शामिल हैं। दानिश आजाद ने तो भाजपा के कद्दावर मंत्री रहे मोहसिन रजा का पत्ता काट दिया। जिले के अपायल गांव के निवासी युवा नेता भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दानिश आजाद योगी आदित्यनाथ की सरकार में इकलौते मुस्लिम मंत्री बनाए गए हैं। 32 साल के दानिश आजाद समीउल्लाह अंसारी के इकलौते पुत्र हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2006 में लखनऊ यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की।इसके बाद यहीं से मास्टर ऑफ क्वालिटी मैनेजमेंट फिर मास्टर ऑफ पब्लिकएडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई की है।भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से राजनीति की शुरुआत की। दानिश ने एबीवीपी के साथ-साथ भाजपा और आरएसएस के लिए युवाओं के बीच माहौल बनाया। खासतौर पर मुस्लिम युवाओं के बीच। यही कारण रहा कि इस बार उनके गांव से भी मुस्लिम मतदाताओं के अच्छे खासे वोट भाजपा को मिले। 2017 में इसका पहला इनाम भी उन्हें मिला। तब दानिश को उर्दू भाषा समिति का सदस्य बनाया गया था। 2022 के चुनाव से ठीक पहले उन्हें भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का महामंत्री बनाया गया। दानिश को मोहसिन रजा की जगह मंत्री बनाया जा रहा है। पहली बार विधायक और मंत्री बने दयाशंकर सिंह की कहाना पहली बार बलिया से विधायक और योगी सरकार में राज्यमंत्री बनने वाले दयाशंकर सिंह मूल रूप से बिहार के बक्सर के रहने वाले हैं।उनकी पढ़ाई-लिखाई और शुरुआती राजनीति बलिया की ही रही है। 27 जून 1972 को जन्मे दयाशंकर सिंह ने अपने पॉलिटिकल करियर की शुरूआत छात्र राजनीति से की थी। लखनऊ विश्वविद्यालय में अपने कॉलेज के दिनों के दौरान वे एबीवीपी के सदस्य थे। 1997 से 1998 तक दयाशंकर लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के महासचिव रहे। वहीं 1998 से 1999 तक अध्यक्ष। दयाशंकर पूर्व सीएमएम कल्याण सिंह के खास थे। 2000 में उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश का सचिव बनाया गया। इसके बाद भाजयुमो में कई पदों पर रहने के बाद 2007 में दयाशंकर को भाजयुमो उत्तर-प्रदेश का अध्यक्ष बना दिया गया। 2007 में ही दयाशंकर ने पहली बार बलिया नगर सीट से चुनाव लड़ा। यहां उनकी बुरी तरह हार हुई थी। 2010 और 2012 मे वे दो बार उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रदेश मंत्री बनाए गए। 2015 में उन्हें यूपी बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया गया। मार्च 2016 में यूपी में विधान परिषद का चुनाव हुआ, जिसमें बीजेपी ने उन्हें टिकट दिया, लेकिन दयाशंकर सिंह चुनाव हार गए। मायावती पर अभ्रद टिप्पणी के बाद भाजपा से हो गए थे निष्कासित जुलाई 2016 में मायावती पर अभ्रद टिप्पणी के बाद उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निकाल दिया गया। ये मामला काफी बड़ा बन गया था। तब लगा कि दयाशंकर के राजनीतिक करियर पर अब लंबा ब्रेक लगेगा। लेकिन 2017 में सत्ता में आने के बाद बीजेपी ने उनका निलंबन वापस ले लिया। एक बार फिर दयाशंकर यूपी बीजेपी के उपाध्यक्ष बनाए गए। इस बीच बसपा पदाधिकारियों ने भी दयाशंकर सिंह को लेकर निशाना साधा था जिस पर उनकी पतनी स्वाती सिंह ने कमान संभाल ली थी। इसका नतीजा रहा था कि स्वाती सिंह को लखनऊ से विधानसभा चुनाव लड़ाया गया था और वो प्रदेश सरकार में मंत्री भी बनी थीं। दयाशंकर सिंह का कद इसके बाद पार्टी में बढ़ता गया। इस बार स्वाती सिंह का टिकट काटकर दयाशंकर सिंह को बलिया नगर से चुनाव लड़ाया गया था। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक दयाशंकर सिंह के चुनाव लड़ने के दौरान से ही भाजपा की सरकार बनने पर मंत्री बनने की संभावना जताई जा रही थी।

उभाँव थाना क्षेत्र मे नाद हटाने को लेकर जमकर चटकी लाठियां कई लोग गंभीर जख्मी होकर पहुंचे अस्पताल

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक ब्यूरो

बलिया।जिले के उभाँव थाना क्षेत्र के जमुआव ग्राम में गुरुवार की सुबह 9:00 बजे पंचायत के दौरान नाद हटाने के विवाद को लेकर चल रहे मसले ने ऐसा विवाद का तुल बढ़ गया कि विवाद मारपीट में तब्दील हो गया कि रास्ते में घात लगाकर बैठे विपक्षी पक्ष के सपोर्टर ने जमकर धुनाई कर दी जिसमें माता-पिता समेत दो सगे भाई चोटिल हो गए जैसे ही इस घटना की सूचना उभाँव थाना के प्रभारी निरीक्षक अविनाश सिंह को हुआ वह मौके पर पहुंचकर घायलों को प्राथमिक उपचार हेतु समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

एक ही पक्ष के चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए एक की हालत गंभीर बनी है। मिली जानकारी के अनुसार उभाँव थाना क्षेत्र के जमुआव गांव नाद के विवाद को लेकर पीडित परिवार द्वारा उभाँव थाने पर तहरीर दी गई थी एवं 112 नंबर डायल पुलिस को भी बुलाया गया था विवाद के समझौता कराने के लिए वह उभाव थाने पर बुलाया गया था।घायल अपने परिवार के साथ घर से थाने के लिए निकला सीयर में दाखिल कराए घायलों में रामायण यादव 60 वर्ष कलावती यादव 58 वर्ष अनुज यादव 27 वर्ष अजय यादव उर्फ पप्पू 32 वर्ष जख्मी हो गया जिसमें रामायण यादव की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया तो वहीं पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

युवा अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन राष्ट्रहित में करे विश्व जल दिवस पर गंगा जल को पोषक तत्व व आस्था जीवन बताया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)।नेहरू युवा केन्द्र वाराणसी द्वारा नमामि गंगे परियोजना के जिला स्तरीय 'स्पीयर हेड टीम'का सात दिवसीय प्रशिक्षण जिला ग्राम्य विकास संस्थान,परमानंदपुर हरहुआ वाराणसी में दीप प्रज्वलन के बाद शुरू हुआ। प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन जिला प्रशिक्षण अधिकारी दीनानाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री द्विवेदी ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओँ को सरकार द्वारा नमामि गंगे करें जिससे गंगा निर्मल सदैव रहें। विशिष्ट अतिथि सेवा निबरित्त डीडीओ डॉ0 डी0 आर0 विश्वकर्मा ने कहा कि गंगा का जल जन्म देने वाली माँ की तरह पोषक तत्व है।यह प्राकृतिक रूप से अमूल्य निधि है।हमारी सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुई जो जलऔषधि द्रव्य है,हम देवतुल्य मानकर पूजा करते हैं।युवाओं को 10 पापों से बचने का प्रेरणा दी। प्रशिक्षण में जनपद के सभी विकास खंडो से कुल 50 युवाओं ने प्रतिभाग किया है।इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी निखिल

परियोजना अंतर्गत गंगा सफाई, गंगा शुद्धिकरण व अपशिष्ट को रोकने हेतु किये जा रहे कायी पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे युवाओं में जागरूकता आये व वे समाज मे सही कायी हेतु अपना योगदान दे सके।युवा अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन देश हित में गुप्ता,डीपीओ ऐश्वर्या मिश्रा, कमल श्रीवास्तव, विमल सिंह, राज्य प्रशिक्षक कन्हैया लाल पथिक, सुरेश पांडेय,अमरनाथ द्विवेदी, सुरेश तिवारी प्रमुख लोंगो ने विचार व्यक्त की।वहीँ कई गंगा प्रहरी,गंगा सेवक,एनजीओ के विशेषज्ञ युवा व एन वाई वी उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर भूजल के दोहन व जल संरक्षण पर हुआ व्याख्यान

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

रोहनिया (वाराणसी)। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान एवं राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी वाराणसी चैप्टर के तत्वाधान में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के प्रांगण में विश्व जल दिवस मनाया गया ।इस वर्ष विश्व जल दिवस का थीम भूजल का रिचार्ज किया जाए जिससे जल स्तर में वृद्धि हो पर संक्षेप में प्रकाश डाला। इससे पहले कार्यक्रम के बारे में परिचय देते हुए संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अनंत बहादुर ने भूजल के गिरते जलस्तर तथा भविष्य में जल-संकट पर अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी वाराणसी चैप्टर के संयोजक डॉ

अत्यधिक दोहन है । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ वी. के. त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में जल संकट, भूजल के अत्यधिक दोहन, डार्क जोन, जल की गुणवत्ता तथा तथा जल संरक्षण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया । संस्थान के निदेशक डॉक्टर तुषार कांति बेहेरा ने सब्जियों में कम से कम पानी उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन कैसे प्राप्त किया जाए एवं आने वाले समय में पानी को कैसे सुधाकर पांडे ने अकादमी के गतिविधियों पर प्रकाश डाला एवं जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताया।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अनंत बहादुर एवं शुभोदीप राय ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर पी .एम . सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष ने दिया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अकादमी के फेलो, तकनीकी अधिकारी, जेआरएफ, एसआरएफ, यंग प्रोफेशनल, प्रशासनिक विभाग के कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौकी प्रभारी पर मारपीट दुर्व्यवहार का आरोप लगा आरोप ब्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों ने किया एसपी देहात से शिकायत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। पुलिस अधीक्षक वाराणसी ग्रामीण के यहां शुक्रवार को व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने मिलकर चौकी प्रभारी खजुरी राजातालाब के व्यापारी के साथ दुर्व्यवहार मारपीट के मामले में कृष्ण लाल श्रीवास्तव जितेंद्र प्रांजल गौरीशंकर विश्वकर्मी द्वारा दिलीप विश्वकर्मा के भूमि पर जबरन कब्जा करने का कार्य किया जा रहा है ।जिसको लेकर पीडित ने अपनी शिकायत चौकी प्रभारी खजूरी से किया। वही पीडित का आरोप रहा कि दबंग प्रभावशाली व्यक्तियों के

माँग पत्र सौपे।और चौकी प्रभारी को निलंबित करने की मांग किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के मेहंदीगंज निवासी ब्यापार मंडल के संगठन मंत्री दिलीप विश्वकर्मा की भूमि विवाद का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बाद भी गांव के ही दबंग सतीश श्रीवास्तव प्रभाव में आकर चौकी प्रभारी खजूरी डॉ0 अभिषेक राय ने चौकी पर घुटने के बल नीचे जमीन पर बैठाया और रात में जमकर मारा पीटा गया। व्यापारी के साथ दुर्व्यवहार मारपीट होने की जानकारी मिलते ही वाराणसी व्यापार मंडल काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रमोद अग्रहरी के नेतृत्व में शुक्रवार को एसपी देहात अमित कुमार वर्मा से ब्यापारियो ने मुलाकात कर नाराजगी ब्यक्त करते हुए बताया कि चौकी प्रभारी खजुरी द्वारा पीडित को धमकाया गया कि अगर उपरोक्त भूमि को छोड़कर नही हटे तो फर्जी मुकदमे में फंसाकर जिन्दगी बर्बाद कर दूँगा। वही मनबढ़ दबंगो द्वारा खुले रूप से हत्या की चेतावनी भी दी जा रही है। ब्यापारियों के मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल एसपी देहात अमित वर्मा ने एडिशनल एसपी नीरज पाण्डेय को जाँच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। वही इस बाबत एसपी देहात का कहना रहा कि चौकी प्रभारी पर लगाये जा रहे आरोप की जाँच एडिशनल एसपी को सौप दी गयी है रिपोर्ट आने पर दोष सिद्ध हुआ तो चौकी प्रभारी पर विभागीय कार्यवाही की जायेगी। व्यापार मंडल काशी प्रांत के अध्यक्ष प्रमोद अग्रहरी,महामंत्री सन्नी जौहर,पूर्वांचल महिला अध्यक्ष सविता सिंह,महामंत्री नेहा सिंह,जिलाध्यक्ष शुभम सिंह,महामंत्री दिलीप स्वर्णकार,संगठन मंत्री दिलीप विश्वकर्मा,उप मंत्री वारिश शेख पिन्टू,उपाध्यक्ष प्रेम कुमार मोदनवाल, समीर खान,संतोष,मंटू,बाबू अली साबरी,इंदु स्वर्णकार,गोविंद स्वर्णकार,शुभम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

युवा माँ गंगा की स्वच्छता व आस्था को अक्षुण बनाएं रखने का दायित्व निभाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)।जिला ग्राम्य विकास संस्थान परमानंदपुर, वाराणसी में नेहरू युवा केंद्र संगठन वाराणसी द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के नाम से नामित कर वाराणसी, प्रयागराज व कानपुर में पायलट प्रयोग किया जा रहा है। यह टास्क फोर्स मुख्य रूप से गंगा किनारे पौधरोपण व गंगा की स्वच्छता पर जनमानस को जोड़ते हुए कार्य कर रही है।

के अन्तर्गत चल रहे सात दिवसीय जिला स्तरीय स्पीयर हेड प्रशिक्षण के चतुर्थ दिवस पर कमांडिंग ऑफिसर गंगा टास्क फोर्स मेजर एल.एन. जोशी ने अपने सम्बोधन में गंगा की स्वच्छता, उसकी अविरलता को संरक्षित रखने पर जानकारी देते बताया कि आज जनमानस गंगा के प्रति इतना उदासीन हो गया कि शासन द्वारा आर्मी फोर्स को गंगा टास्क फोर्स जोशी ने बताया कि गंगा में कपड़े धुलना, कूड़ा, पूजा सामग्री फूल आदि डालना वर्जित है यह हमारे ऋषि-मुनी पहले कह गए हैं। युवा गंगा की स्वच्छता व आस्था को अक्षुण बनाने का दायित्व निभाएं। एन.एस.एस. कोऑर्डिनेटर बीएचयू प्रोफेसर बाला लखेन्द्र द्वारा एनएसएस एवं एनवाईकेएस के माध्यम से सामाजिक कार्यों में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि भारत के युवा को यदि कुछ सीखना है तो उसे स्वामी विवेकानंद और अमर सपूत भगत सिंह का जीवन परिचय पढ़ना चाहिए। श्री बाला ने विवेकानंद जी के शिकागो सम्मेलन से जुड़ी जानकारी देते हुए बताया कि माँ के आँचल समान है श्रीमद्भागवत गीता ग्रंथ जिसका अध्ययन हम सभी को करना चाहिए।चतुर्थ दिवस के सत्र का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर सुरेश पांडेय व डीपीओ नमामि गंगे श्वर्या मिश्रा ने प्रतिभागियों से पूर्वलोकन कर आज के विषय वस्तु पर जानकारी देते हुये किया। राज्य प्रशिक्षक कन्हैया लाल पथिक ने समाज से जुड़ी परम्पराओं व व्यक्तित्व विकास पर जानकारी दी। अन्य वक्ताओं में प्रमुख रूप से सेवानिवृत्त जिला विकास अधिकारी डॉ डी.आर. विश्वकर्मा, कमल कुमार श्रीवास्तव, सुरेश पाण्डेय, लियाकत अली, सुरेश तिवारी ने विचार व्यक्त किया। प्रशिक्षण में वाराणसी जनपद के 50युवक-युवतियां शामिल रहे। प्रशिक्षण में युवाओं को प्रशनेत्तरी, खेलकूद आदि गतिविधियों और दायित्व की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान उठाए गए सवालों का समयोचित समाधान जिला प्रशिक्षण अधिकारी डी0एन0 द्विवेदी ने किया।

डोमरी में गंगा की रेत में मिला था युवक का शव, पुलिस ने तकनीक से पकड़े अभियुक्त

वाराणसी। सेमरा गांव निवासी साजिद खान (18) की लाश डोमरी में गंगा नदी किनारे रेत में दबी हुई मिली थी। अब पुलिस के प्रयास के बाद उस प्रकरण का राज फाश हो गया है। पुलिस की जांच में पता चला कि करीबी दो दोस्तों ने ही पैसों की लालच में साजिद की हत्या करने के बाद सबूत मिटाने के लिए रेत में दबाकर लाश छिपा दी थी। इस मामले में मुगलसराय में मुकदमा भी पंजीकृत किया गया था। शव बरामदगी के बाद शिनाख्त होने पर परिजनों ने दोस्तों पर हत्या का अंदेशा जताया था। कमिश्नरेट पुलिस के अनुसार प्रिजनर दिलेमा तकनीक का प्रयोग करने से आरोपित जल्द ही टूट गए और इस केस को पुलिस ने आसानी से सुलझा लिया। थाना रामनगर में हत्या का मुकदमा दर्ज कर दोनों अभियुक्त राहुल पटेल और चंदन चौहान को गिरफ्तार कर न्यायलय में अब पुलिस पेश करेगी। इस मामले में चंदौली में मुगलसराय पुलिस के पास मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है। अब दोस्तों के ही आरोपित निकलने के बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दोस्तों ने की थी शाहिद की हत्या डोमरी गांव के सामने गंगा रेती में हत्या कर गाड़े गए शाहिद हत्याकांड मेंकमिशनरेट पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर राजफाश किया है। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार करने के साथ रामनगर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया।

मतदाताओं को किसी भी प्रकार का लालच देने अथवा डराने-धमकाने की सूचना पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी। वाराणसी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन के लिये निर्वाचन आयोग से नियुक्त प्रेक्षक सुभाष चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को सर्किट हाउस सभागार में बैठक संपन्न हुआ। जिलाधिकारी वाराणसी कौशल राज शर्मा के जिलाधिकारी चंदौली अलावा एडीएम भदोही संबंधित जनपदों के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे जिलाधिकारी वाराणसी कौशल राज शर्मा ने बताया कि वाराणसी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन में कुल 4949 मतदाता है। जिसमे वाराणसी में 1875, चंदौली में 1720 व भदोही में 1354 मतदाता हैं। वाराणसी में 11, चंदौली में 09 व भदोही में 06 सहित कुल 26 बूथ बनाये गये हैं। नामांकन की कार्रवाई पूर्ण हो चुकी है। कुल 04 अभ्यार्थियों के नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। जिसमे क्रमशः उमेश यादव समाजवादी पार्टी, डा0 सुदामा पटेल भारतीय जनता पार्टी, अनन्पूर्णा सिंह उर्फ पूनम सिंह निर्दलीय व बृजेश कुमार सिंह उर्फ अरूण कुमार निर्दलीय हैं। जयराम लोकदल द्वारा दाखिल किये गये नामांकन पत्र विधिमान्य न होने के कारण निरस्त हो गया। वाराणसी में 26 मार्च को प्रथम व 04 अप्रैल को दृतिय चरण का कार्मिकों का प्रशिक्षण होगा। जबकि अन्य जनपदों में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु अन्य तिथियां निर्धारित की गई। 08 अप्रैल को पोलिंग पार्टियां रवाना होंगे, 09 अप्रैल को मतदान प्रातः 08 से सायं 04 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 12 अप्रैल को पहड़िया में होगा। जिलाधिकारी ने लागू आदर्श आचार संहिता के संबंध में बताया कि प्रधान एवं पार्षद आदि की बैठक नहीं होंगी। पुलिस अधिकारी संबंधित थाना में अपनी बैठक कर ले। मतदाताओं को किसी भी प्रकार का लालच देने अथवा डराने-धमकाने की सूचना पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। प्रत्याशियों को भी पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाए प्रेक्षक सुभाष चंद शर्मा ने संबंधित जनपद के जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों से चुनाव तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चंदौली के नोगढ़ क्षेत्र में प्रत्याशियों के प्रचार-प्रसार के दौरान समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि है मतदान संपन्न होने के पश्चात मतदान कार्मिक बैलट बॉक्स संबंधित जनपद में ही जमा करेंगे। तत्पश्चात उन जनपदों से बैलट बॉक्स समुचित सुरक्षा व्यवस्था के साथ पहड़िया के स्ट्रांग रूम में जमा कराने के लिये विशेषकर मजिस्ट्रेट एवं सीओ स्तर के अधिकारियों संग लाया जाएगा। मतदाताओं को हेल्पर की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशो को शाट-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने बनाए गए बूथों एवं मतगणना स्थल के संबंध में निर्वाचन आयोग से प्रत्येक दशा में स्वीकृति प्राप्त किए जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उसका तात्कालिक निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि आचार संहिता का किसी भी तरह से उलंघन नहीं होना चाहिए।

गाजीपुर में प्रशासनिक दबाव से एमएलसी उम्मीदवार फरार, विपक्ष के विधायक गुपचुप कर रहे प्रचार

गाजीपुर। जिले में एमएलसी चुनाव का ऐसा दौर आ चुका है जब सपा और सुभासपा के सातों विधायक गुपचुप तरीके से 3132 एमएलसी वोटरों को साध रहे हैं। जबकि भाजपा के उम्मीदवार विशाल सिंह चंचल के सामने चुनौती आ खड़ी हुई है। दरअसल सपा के उम्मीदवार द्वारा नाम वापसी के बाद से ही गाजीपुर से लेकर लखनऊ तक उम्मीदवार के नाम वापसी की चर्चा शुरू हो गई। समाजवादी पार्टी की ओर से इसे दबाव की रणनीति बताते हुए सत्ता पक्ष के समर्थन में प्रशासन के आने की वजह बताई गई। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की भूमिका नाम वापसी के अंतिम समय तक उम्मीदवार को लेकर संदिग्ध रहने से समाजवादी पार्टी इस प्रकरण को भुनाने में जुट गई है। सपा उम्मीदवार के नाम वापसी के बाद मैदान में भाजपा उम्मीदवार के सामने एकमात्र निर्दल उम्मीदवार मदन सिंह यादव ही बचे थे। सपा के उम्मीदवार के नाम वापसी के बाद निर्दल उम्मीदवार के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पुराने मामलों को लेकर घर पर धावा बोलने पहुंची तो जानकारी होने के बाद सपा नेताओं का हुजूम भी उमड़ पड़ा और पुलिस प्रशासन को अपनी टीम को आखिरकार वापस करना पड़ा। इसके बाद भी प्रशासन शांत नहीं बैठा और रात में मुख्तार अंसारी के परिवार के घर पर रात में दबिश देकर मदन सिंह यादव को तलाशने का प्रयास भी निष्फल हो गया। वहीं दूसरी ओर मुख्तार के परिवार पर आरोप है कि उम्मीदवार को परिवार ने कहीं छिपा दिया है। सपा ने दिया समर्थन नाम वापसी के ठीक एक दिन पूर्व भाजपा नेता के वाहन में बैठकर सपा नेता व एमएलसी उम्मीदवार भोलानाथ शुक्ला ने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद माना जा रहा था कि सपा के हाथ से यह सीट अब निकलकर भाजपा के पास चली गई। लेकिन, निर्दल उम्मीदवार मदन सिंह यादव को जानकारी होने के बाद वह फरार हो गए। नाम वापसी के दिन तक वह प्रशासन के हाथ नहीं लगे। इसके साथ ही भाजपा उम्मीदवार की जीत के राह में मदन रोड़ा बन गए। प्रशासन के काफी प्रयास के बाद भी मदन अभी तक सामने नहीं आए हैं। परिवार भी निश्चिंत : निर्दल उम्मीदवारी के बाद अब सपा के उम्मीदवार हो चुके मदन सिंह यादव को पुलिस और प्रशासन अब भी तलाश रही है लेकिन वह सामने नहीं आ रहे हैं। जबकि परिवार की ओर से भी उनकी गुमशुदगी की कोई रिपोर्ट नहीं लिखवाई गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि परिवार से दूर होकर वह चुनाव जीतने के लिए सक्रियता के साथ लगे हुए हैं। वहीं भाजपा की रणनीति भी जिले में सपा की ओर से बिछाई गई बिसात के आगे अभी फेल नजर आ रही है।

सम्पादकीय

सरकारी ढांचे से जुड़े लोगों को ही बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा कवच अनिवार्य क्यों है

नई राष्ट्रीय पेंशन योजना यानी एनपीएस और पुरानी पेंशन को लेकर सरकारी कर्मचारी आंदोलन के मूड में हैं। इसी सिलसिले में कई कर्मचारी संगठनों ने अगले सप्ताह 28-29 मार्च को हड़ताल का आह्वान किया है। बुनियादी रूप से यह मामला अब राजनीतिक हो गया है। हाल के विधानसभा चुनावों में भी इसकी गूंज सुनाई दी थी। एनपीएस और पुरानी पेंशन योजनाओं के गुण-दोषों पर चर्चा करने के स्थान पर राजनीतिक रूप से यह ऐसा मुद्दा बन गया है, जो सीधे-सीधे वोटों के गणित से जुड़ गया है। सवाल यह है कि केवल सरकारी ढांचे से जुड़े लोगों को ही बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा कवच अनिवार्य क्यों है? क्या देश के हर नागरिक को ऐसी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में नही होना चाहिए। कई देशों में पहले से ही ऐसे पेंशन प्रविधान हैं। भारत में पेंशन का मुद्दा सामाजिक सुरक्षा के मानकों पर कभी खरा नहीं रहा है। सरकारी कोष से एक बड़ा हिस्सा उच्चाधिकारियों की पेंशन पर खर्च होता रहा है। इसकी तार्किकता का परीक्षण भी किसी प्रशासनिक सुधार आयोग ने नहीं किया। मसलन एक परिवार को लाखों की पेंशन हासिल होती है और उसी महकमे के बाबू को मामूली राशि। एनपीएस से पूर्व पेंशन में विसंगतियों की भरमार थी। 2004 में आए एनपीएस माडल को समावेशी बताकर पेश किया गया, लेकिन नतीजे कुछ और ही कहानी कहते हैं। पुरानी पेंशन एकमुश्त राशि की मासिक गारंटी देती थी, जो सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारी के अंतिम मूल वेतन पर 50 प्रतिशत थी। एनपीएस ऐसी गारंटी नही देती। यहां बुनियादी सवाल यह है कि पुरानी पेंशन करदाताओं की कीमत पर कुछ लोगों को आर्थिक सुरक्षा क्यों दें? दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या सरकारों के लिए 17 साल पुरानी मौजूदा योजना से बाहर आना इतना आसान है, जैसा कि राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं। बंगाल को छोड़कर सभी राज्यों ने एनपीएस को अपने यहां लागू कर रखा है, क्योंकि पेंशन राज्य का विषय है और केंद्र सरकार इसे राज्यों पर थोप नही सकती। वामदलों ने 2004 में इसका विरोध तो किया, लेकिन रोचक तथ्य यह है कि केरल और त्रिपुरा में वाम शासित सरकारों ने भी इसे बनाए रखा। स्टालिन, केसीआर और जगनमोहन रेड्डी से लेकर नवीन पटनायक तक सबने इस पर आपत्ति तो खूब की, लेकिन सत्ता में आने के बाद इसे हटाया नहीं। उत्तर प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा छेड़ा, लेकिन राज्य में नई पेंशन योजना भी उसकी सरकार ने ही लागू की थी। अखिलेश यादव के एलान के बाद राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकारों ने भी पुरानी पेंशन की ओर कदम बढ़ाए। इन घोषणाओं का असर यह हुआ कि दो चरणों के बाद उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों ने सपा के पक्ष में मतदान किया। इस बीच केंद्र ने स्पष्ट किया है कि पुरानी पेंशन बहाल करने का उसका कोई इरादा नहीं। ऐसे में कुछ अहम सवाल हैं कि क्या पुरानी पेंशन को लेकर निर्णय लिया जाना इतना आसान है सवाल यह भी है कि पिछले 17 वर्षों में राज्यों ने इस मामले में कोई दिलचस्पी क्यों नहीं दिखाई एकाएक राजनीतिक कारणों से इस मुद्दे ने क्यों तूल पकड़ा देश मे इस समय एक करोड़ 54 लाख कार्मिक एनपीएस से जुड़े हुए हैं। करीब छह लाख करोड़ रुपये की राशि इस मद में निवेश की जा चुकी है। इसका 85 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों, एलआइसी, यूटीआइ और एसबीआई में लगा है। शेष 15 प्रतिशत खुले बाजार में निवेश है। हर माह करीब नौ हजार करोड़ रुपये का अंशदान एनपीएस में जाता है। यदि इसे एक झटके में बंद कर दिया जाएगा तो इस व्यवस्था को कैसे चलाया जाएगा अगर राज्य सरकारें एनपीएस को बंद करती है तो जो रकम जमा हो चुकी है, उसे कैसे उपयोग में ला पाएंगी, क्योंकि पेंशन फंड रेगुलेटरी अथारिटी के साथ इन सरकारों ने 30 साल के अनुबंध किए हुए हैं। इन तकनीकी पहलुओं पर ध्यान दिए बिना राज्य सरकारें अगर पुरानी पेंशन को बहाल करती है तो मामला और उलझ सकता है। इसका समाधान तब तक संभव नहीं जब तक केंद्र सरकार इस पर उदारता के साथ नीतिगत कदम न उठाए। जहां केंद इन्कार कर चुका है, वहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु और बिहार सहित कई राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने निर्धारित प्रविधानों के अनुसार एनपीएस में अंशदान भी नहीं किया है। जाहिर है कि अगर ये राज्य पुरानी पेंशन पर लौटते हैं तो एनपीएस का गणित और गड़बड़ हो जाएगा। एक अनुमान के अनुसार पुरानी पेंशन बहाल करने वालों राज्यों पर करीब 7.5 प्रतिशत का अतिरिक्त वित्तीय बोझ संभावित है, जो पहले से ही वित्तीय रूप से कमजोर राज्यों के लिए मुश्किल खड़ी करेगा। पुरानी पेंशन के पक्ष में यह तर्क भी दिया जा रहा है 2005 में नियुक्त कर्मचारियों का रिटायरमेंट 2030 में आरंभ होगा। इसलिए राज्य सरकारों पर तत्काल इसका बोझ नही आएगा। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री इस घोषणा में आगे इसलिए रहे, क्योंकि वहां अगले साल चुनाव होने हैं। जाहिर है मामला चुनावी राजनीति से जुड़ा है। हैरानी की बात यह है कि इस योजना को संप्रग शासन काल में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में आकार दिया गया और अब वही पार्टी इस पर राजनीतिक कारणों से पलट रही है।

निर्यात के क्षेत्र में भारत की एक नई बड़ी उपलब्धि, पढ़े एक्सपर्ट व्यू

भारत ने इस वित्त वर्ष यानी 2021-22 के दौरान 31 मार्च तक 400 अरब अमेरिकी डालर के मूल्य के माल के निर्यात का लक्ष्य रखा था, जिसे नौ दिन पूर्व ही पूरा कर लिया। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान यह आंकड़ा 292 अरब अमेरिकी डालर का था। जाहिर है कि निर्यात के क्षेत्र में यह भारत की एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में निश्चित ही एक मील का पत्थर साबित होगी। गर्व की बात है कि यह उपलब्धि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन जंग के बीच हासिल हुई है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों, छोटे-बड़े उद्यमियों और निर्यातकों को बधाई दी है। प्रमुख निर्यातक सामानों में पेट्रोलियम, इलेक्ट्रानिक्स, चमड़ा, काफी, प्लास्टिक, मांस, डेयरी, समुद्री और तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। किसी भी देश का विकास उस देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर पर निर्भर करता है। वहीं किसी देश का निर्यात जितना अधिक होता है, उसकी अर्थव्यवस्था का विकास भी उतना ही अधिक होता है। दुनिया के बहुत से देश मजबूत निर्यात के बल पर ही अपने विकास को गति दे पाए हैं। यही सोच भारत के लिए भी सही साबित हो रही है कि अगर हम निर्यात को गति देंगे तो इससे हमारे देश में विभिनन्‍ उद्योग धंधे स्थापित होंगे और विभिनन्‍ वस्तुओं के निर्माण में तेजी आएगी। इससे देश के व्यापार में वृद्धि होगी। देश में रोजगार बढ़ेगा। ज्यादा से ज्यादा लोगों को नौकरियां मिलेंगी। अंततः देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इससे देश आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। इसीलिए निर्यात की जब भी बात की जाती है तो उसके आंकड़ों पर सबकी नजरें रहती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय विश्व की स्थितियां बदल रही हैं। रूस पर कई प्रतिबंध लगने तथा रूस के पश्चिमी देशों से संबंध खराब होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़े बदलाव आ रहे हैं। इन परिस्थितियों में भारत अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिभा के साथ आगे बढ़ रहा है। निर्यात में आए इस भारी उछाल के पीछे मोदी सरकार की कुशल रणनीति काम कर रही है। इसमें राज्य और जिला, दोनों स्तरों पर निर्यात योग्य उत्पादों और वस्तुओं को शामिल किया जा रहा है। कैसे उनके निर्यात को बढ़ाया जाए, इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लक्ष्य के अनुरूप नीतियां बनाई जा रही हैं तथा योजनाओं को समय पर लागू किया जा रहा है।

लोगों की नजर में सुदृढ़ कानून एवं व्यवस्था योगी सरकार की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी

जब पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, तब आस्ट्रेलिया के एक सांसद क्रेग केली ने कहा था कि क्या कोई ऐसा रास्ता है, जिससे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ दिनों के लिए उन्हें मिल जाएं, ताकि उनका देश कोरोना संकट से उबर सके। इसके पीछे कारण था योगी आदित्यनाथ का कुशल कोरोना प्रबंधन। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कोरोना पर काबू पाने के मामले में योगी सरकार के कुशल प्रबंधन की सराहना की थी। ध्यान रहे कि कोरोना पाजिटिव होने के बावजूद योगी आदित्यनाथ कोरोना प्रबंधन में जुटे रहे। उन्होंने प्रदेश भर का दौरा भी किया। वास्तव में इसी कारण चुनावों

के समय विपक्ष का यह आरोप असरहीन रहा कि कोरोना संकट के दौरान योगी सरकार कुछ नहीं कर पाई। शायद जनता ने योगी सरकार के पांच साल के कार्यकाल का मूल्यांकन करते हुए यह भी समझा कि सरकार के दो साल तो कोरोना की भेंट चढ़ गए। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनाव की दिशा तय करने वाला माना जा रहा था। कई राजनीतिक पंडितों और पत्रकारों की अटकलों के बीच भाजपा नेतृत्व अपनी जीत को लेकर आशवस्त था। ऐसा हुआ भी और योगी आदित्यनाथ 37 सालों में पहले ऐसे मुख्यमंत्री बने, जो पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद फिर सत्ता की बागडोर संभालने जा रहे है। योगी आदित्यनाथ सरकार की वापसी में मुफ्त राशन, कानून व्यवस्था के साथ अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी सहायक बनीं। उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में रहने वाले यहां के लोग भी योगी सरकार के कामकाज से संतुष्ट थे। लोगों की नजर में सुदृढ़ कानून व्यवस्था सरकार की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी, जो पिछली सरकारों में लचर थी। आम तौर पर लोगों का यही कहना था कि योगी सरकार में हर तरह के माफिया का आतंक कम हुआ है। राजस्व विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 15 अगस्त 2021 तक 62423.89 हेक्टेयर जमीन को भूमाफिया से मुक्त कराया गया। 144 नए थानों और 50 पुलिस चौकियों की स्थापना के साथ ही 1.38 लाख पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की गई। लखनऊ में पुलिस फोरेंसिक विज्ञान संस्थान की नींव रखी गई, साइबर सेल की स्थापना की गई। इसके अलावा ई-प्रॉक्सीक्यूशन प्रणाली और विधि विज्ञान प्रयोगशाला बनाने जैसे कदमों ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। चुनाव के दौरान महिलाओं से बातचीत में हमारी टीम ने पाया कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगी सरकार ने कुछ ऐसे बुनियादी काम किए, जिन्होंने उनमें आत्मविश्वास जगाया। प्रधानमंत्री आवास योजना में मिले आवासों का पंजीकरण महिला के नाम से किया गया। उज्जवला योजना में गैस चूल्हा-सिलिंडर वितरण, शौचालय निर्माण और तीन तलाक-कानून को यूपी में तन्मयता से लागू किया गया। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, बैंकिंग सखी योजना, मिशन शक्ति, पिंक पेट्रोलिंग, पिंक बस, एंटी रोमियो स्कवाड, कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए मुखबिर योजना के साथ ही मुफ्त राशन वितरण जैसे कदमों ने मोदी और योगी को महिलाओं का मसीहा बना दिया। महिलाओं ने जाति, समुदाय और पार्टी लाइन से हटकर भाजपा को वोट दिया। कई राजनीतिक विशेषज्ञ यह मान रहे थे कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन के चलते भाजपा को नुकसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि गनन मूल्य का त्वरित भुगतान हो या एमएसपी पर फसलों की खरीद, योगी सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए। किसानों के लिए एमएसपी पर जितनी खरीद योगी सरकार ने की, उतनी प्रदेश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुई। हमारी टीम ने पाया कि ईज आफ डूइंग बिजनेस में यूपी की बड़ी छलांग ने युवाओं को आकर्षित किया। ब्रह्मोस मिसाइल से लेकर रक्षा उपकरणों की विदेशी निर्माता कंपनियों के निवेश, नए-नए एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे, डिफेंस कारिडोर और तकनीक से संबंधित नए निवेश और 'एक जनपद एक उत्पादऽ योजना ने युवाओं में रोजगार सृजन का विश्वास जगाया। शिक्षा की बात करें तो 2017 से पहले यूपी से 10वीं-12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों को शक की निगाह से देखा जाता था, क्योंकि नकल माफिया सक्रिय था। मीडिया में रिपोर्ट आती थीं कि उत्तर प्रदेश में पांचवी कक्षा तक के लगभग आधे बच्चे गणित के बुनियादी सवालों को भी हल नहीं कर पाते। योगी सरकार ने तकनीक का सहारा लिया और स्कूली बच्चों की समझ के स्तर के आधार पर उनके अलग-अलग समूह बनाए गए। उन समूहों को प्रत्येक दिन दो-दो घंटे विशेष पर्यवेक्षण में रखा गया। अगस्त-सितंबर 2018 में शुरू की गई इस पहल में एक लाख 13 हजार स्कूलों में ऐसे दो लाख 30 हजार समूह बनाए गए। तीन महीनों में इन बच्चों के ज्ञान और समझ में 22 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सर्वाधिक लाभ दलित और अति पिछड़ी जातियों के बच्चों को हुआ। यह आंकड़ा गरीबी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कार्य कर रही संस्था अब्दुल लतीफ जमील पावर्टी एक्शन लैब (जे-पाल) का है। हमारी टीम ने लोगों को यह भी कहते पाया कि जब नेता अपने परिवार का हित साधने में लगे रहते हैं, तब योगी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं।

पृथ्वी पर कलेश, हर वर्ष इस आदत से दूसरों का होता है नुकसान

भारत में हर वर्ष, भोजन की भारी मात्रा में बर्बादी होती है । भारत का प्रत्येक परिवार हर वर्ष औसतन 50 किलो भोजन बरबाद करता है। यह विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी के आंकड़े के लगभग बराबर है। भोजन की बर्बादी से न केवल पर्यावरण को क्षति पहुंचती है, बल्कि इसके चलते लाखों टन भोजन उन्हें नहीं मिल पाता, जिन्हें इसकी सख?त जरूरत होती है। जो भोजन हम खाते हैं, वह आम तौर पर देश के भीतर, महाद्वीप के भीतर और उसके बाहर से भी दूरस्थ इलाकों से आता है, जिसका अर्थ यह है कि पकने और खाए जाने से पहले यह लंबा सफर

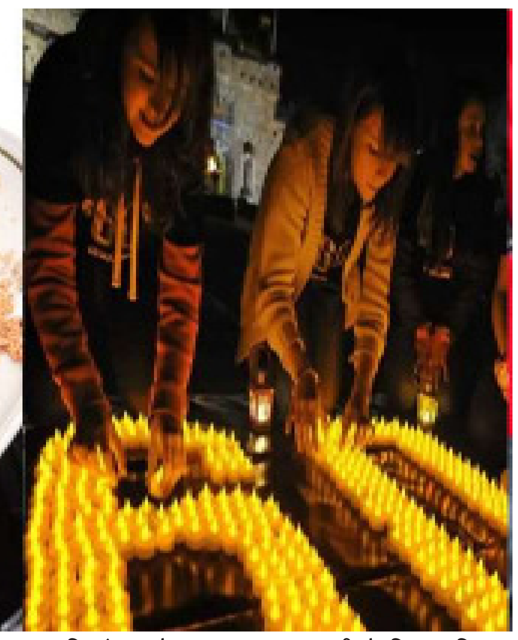

तय करता है। भोजन के उत्पादन और ढुलाई में इस भोजन के उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों को निरंतर हो रहे नुकसान के साथ पर्यावरण को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। खाद्य तेल जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में वृद्धि के लिए, खास तौर पर दक्षिण-पूर्व एशिया के इंडोनेशिया/मलेशिया, और ब्राजील व लैटिन अमेरिका जैसे देशों में अमूल्य वनों की कटाई हो रही है, जहां वनों को काटकर ताड़ और सोयाबीन की खेती के चलते वन क्षेत्र में भारी कमी आई है। जो भोजन हमारी-आपकी थाली तक पहुंचता है, उसका कुछ अंश छोड़कर हम उसका भारी नुकसान करते हैं, जिसे शहर के कचरा भराई क्षेत्रों में डाल दिया जाता है या फिर समुद्र में फेंक दिया जाता है, और इन दोनों कामों के चलते पृथ्वी का दम घुटता है। हर वर्ष लगभग 1.3 बिलियन टन भोजन फेंक दिया जाता है और दुखद बात यह है कि हम में से प्रत्येक इस बर्बादी के प्रति जिम्मेदार है, हालांकि यह अनजाने में किया गया हो सकता है। किंतु पर्यावरण की ज्यादातर समस्याओं की तरह, यदि भोजन की बर्बादी अनजाने में हो, तो इसका समाधान संभव है, बशर्ते लोग पृथ्वी पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के प्रति सजग हों। सामाजिक हित की मुहिमों में व्यक्तिगत रूप से उठाया गया कदम महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। पानी बचाने से जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता का संचार करने तक, लोगों ने अपने भविष्य को संवारने में इस शक्ति का परिचय दिया है। अर्थ आवर एक ऐसी मुहिम है, जिसने यह साबित कर दिया है कि यदि लाखों लोग एक हों और एक आसान काम करने का संकल्प लें, तो क्या नहीं हो सकता। जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों को जागरूक करने की एक मुहिम के रूप में सन्? 2007 में अपनी शुरुआत के समय से, बत्तियों को बंद करते हुए, परिवर्तन-नेतृत्व आंदोलन के अपने मौजूदा अवतार तक, अर्थ आवर ने विश्व भर में नियम, दृष्टिकोण और कार्यकलाप में परिवर्तन किए हैं। अर्थ आवर 2012 के एक अंग के रूप में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ रूस के नेतृत्व में और नागरिकों के हस्ताक्षरों के साथ पेश एक याचिका पर रूस ने उस देश के समुद्रों की तेल प्रदूषण से सुरक्षा के लिए एक कानून पास किया। सन 2014 में, युगांडा में एक अर्थ आवर फारेस्?ट का निर्माण किया गया, और अर्थ आवर 2018 में फ्रेंच पालिनेसियन सरकार ने दक्षिण प्रशांत के एक विशाल समुद्र क्षेत्र की एक मैनेज्ड मरीन एरिया के रूप में घोषणा की। हालांकि सरकारें और संस्थाएं ज्यादातर परिवर्तन का मार्गदर्शन करती हैं, किंतु सच्चा नायक उनमें छिपा होता है, जो हितों में विश्वास रखते हैं - वे जमीनी स्तर के सामान्य जन हैं, जो अर्थ आवर जैसी मुहिमों के माध्यम से पर्यावरण की प्राथमिकताओं को खास बना रहे हैं। अर्थ आवर पर्यावरण के लिए फिर से कदम बढ़ाने का एक अवसर है - सुखकर जीवन जीने का प्रयास करने से विश्व के मार्गदर्शकों को सही विकल्पों का चयन करने को प्रेरित करने तक, हर व्यक्ति में अपने भविष्य को संवारने की शक्ति है। भोजन एक उतना ही अमूल्य संसाधन है, जितना कि कोई अन्य, क्योंकि पृथ्वी पर इसके प्रभाव देखे जा सकते हैं - जमीन पर, पानी में, हवा में, वन में और यहां तक कि जैवविविधता में भी। अमूल्य भोजन स्रोतों को कम करने, उनका पुनर्चक्रण करने और उन्हें फिर से उपयोग योग्य बनाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास कर भी भारत में भोजन की भारी मात्रा में होने वाली बरबादी में कमी की जा सकती है। यदि हमने अभी कदम नहीं बढ़ाया, तो हम पर्यावरण की एक और त्रासदी का कारक हो सकते हैं। विवाह जैसे बड़े सामाजिक उत्सवों में, जहां अनुमानतः 20 से 40 प्रतिशत भोजन बर्बाद हो जाता है, जिसे फेंक दिया जाता है, लोग पहले से ही प्रयास कर रहे हैं। इस बर्बादी को रोकने के लिए 'फीड इंडिया' और इस जैसे अन्य प्रयास जारी हैं, किंतु व्यक्तिगत स्तर पर अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। भोजन की बरबादी को कम करने का हमारा प्रयास भोजन खरीदने की प्रक्रिया से ही शुरू हो सकता है। इसके लिए खरीदने के विवेकपूर्ण और सजग अभ्यास की जरूरत होती है, ताकि भारी मात्रा में भोजन बचाया जा सके। हम ज़ायके वाले खाद्य उत्पादों, जैसे खाद्य तेल और सुगंधित खाद्य पदार्थ, में अपने स्वास्थ्य से समझौता किए बगैर - और कुछ हद तक खर्चों में कमी कर भी - आसानी से कटौती कर सकते हैं! भोजन बचाने का एक और तरीका यह है कि वही खरीदें जो आप खाएं या फिर जो निहायत ही जरूरी हो। अक्सर, हम खाद्य पदार्थ बगैर किसी योजना के यों ही खरीद लेते हैं, जिसके फलस्वरूप अनावश्यक बरबादी होती है। ऐसे अवसरों पर जब योजना भी उपयुक्त नहीं हो, और भोजन बरबाद हो जाए, तब हमारे पास एक अच्छा अवसर होता है कि हम उसका परिवार में फिर से उपयोग कर लें। यदि दोबारा उपयोग संभव न भी हो, तो छोड़े हुए भोजन की घर में खाद बनाकर या घर से बाहर स्रोत स्थल पर उसकी छंटाई कर उसका सुरक्षित ढंग से उपयोग किया जा सकता है।

द कश्मीर फाइल्स तो 1931 से ही कश्मीरी हिंदुओं सिखों बौद्धों आदि पर किए गए अत्याचारों का ट्रेलर मात्र.......

आजकल विवेक रंजन अगिन्होत्री की फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर जैसी चर्चा छिड़ी हुई है, वैसी भारतीय सिनेमा के इतिहास में पहले कभी देखने-सुनने को नहीं मिली। इस फिल्म की कहानी का फोकस इस पर है कि 1989-90 में कई लाख कश्मीरी हिंदुओं को कश्मीर के गांवों, कस्बों और शहरों से क्यों और किस तरीके से भगा दिया गया? फिल्म के समर्थक विवेक रंजन अगिन्होत्री पर इस कारण फिदा हैं कि 32 साल बाद ही सही, उन्होंने सच्ची घटनाओं को आधार बनाकर कश्मीर के सच को उसके नगन्‍ रूप में पेश करने की हिम्मत दिखाई। दूसरी ओर वह बिरादरी है जो कथित पंथरिनपेक्षता की झंडाबरदार है। इस बिरादरी की ओर से यह आरोप लगाया जा रहा है कि इस फिल्म में कश्मीरी पंडितों के खिलाफ जिस तरह की हिंसा दिखाए गई है, उससे कश्मीर की छवि खराब होगी और देश में हिंदू-मुस्लिम रिश्ते खराब होंगे, लेकिन सवाल यह है कि अगर पाप से सराबोर सच को सिनेमा के पर्दे पर दिखाना गलत है तो फिर इस पाप को अंजाम देने वाले आतंकवादियों, राजनेताओं और इस पाप में भागीदार कश्मीरी पंडितों के पड़ोसियों को किस कानून के तहत माफ किया जा सकता है? कश्मीर में हिंसा और जुल्म की कहानी 14वीं शताब्दी से चली आ रही है, लेकिन आधुनिक इतिहास में इसकी शुरुआत 1931 में हुई, जब अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से पढ़कर आए शेख अब्दुल्ला ने कश्मीर घाटी में परंपरागत इस्लामी नेतृत्व अपने हाथ में लेने के लिए नए पैंतरे चलने शुरू किए। शेख अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरी सिंह के सामने रियासत में गोहत्या पर पाबंदी हटाने की ऐसी मांग रख दी, जिसका अस्वीकार होना तय था। इसके बाद शेख अब्दुल्ला ने 1931 में ही पूरी रियासत के ग्रामीण इलाकों से 'नापाक' काफिरों यानी हिंदुओं और सिखों का सफाया करके गांवों को 'पाक' बनाने का अभियान शुरू किया। इस अभियान में जिस पैमाने पर हिंदुओं और सिखों की हत्याएं की गई और उनके घर-बार लूटे गए, वैसा नरसंहार भारतीय उपमहाद्वीप ने इससे पहले कभी नहीं देखा था। वह लिए जिस तरह 700 भुक्तभोगी लोगों के अनुभव का डाक्युमेंटेशन किया, ठीक वैसा ही काम 1980-81 में लेखक अनिल भारती (मूल नाम आरपी महाजन) ने किया था। उन्होंने मीरपुर से बचकर आए सैकड़ों कश्मीरी हिंदू शरणाथिर्यों के निजी अनुभवों के आधार पर 'खून के आंसू' उपन्यास लिखा था, जिसे डायमंड पाकेट बुक्स ने प्रकाशित किया था। मैं स्वयं एक का आतंकी बिट्टा कराटे नहीं, बल्कि सफेदपोश नेता शेख अब्दुल्ला थे, जिन्हें कश्मीरी मुस्लिम समाज शेरे कश्मीर और नई दिल्ली की सेक्युलर बिरादरी सेक्युलरिज्म का मसीहा कहती थी। 1931 में अपने गांव पंजन से भगाए जाने के बाद मेरे पिता और दादा को अक्टूबर 1947 में दोबारा मीरपुर का घर छोड?ा पड़ा। यह सब तब हुआ जब जम्मू-कश्मीर का भारत में और सिख हुए, उनमें से केवल 18 हजार लोग ही जिंदा हालत में पुंछ, झंगड़ और जम्मू पहुंच पाए। इस हमले में पाकिस्तान ने आजाद भारत के मुजफ्फराबाद, भिंबर, मीरपुर, कोटली और अलीबेग समेत रियासत के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। इसी इलाके को आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर या पीओके अथवा पीओजेके कहा जाता है, जो असल में गुलाम

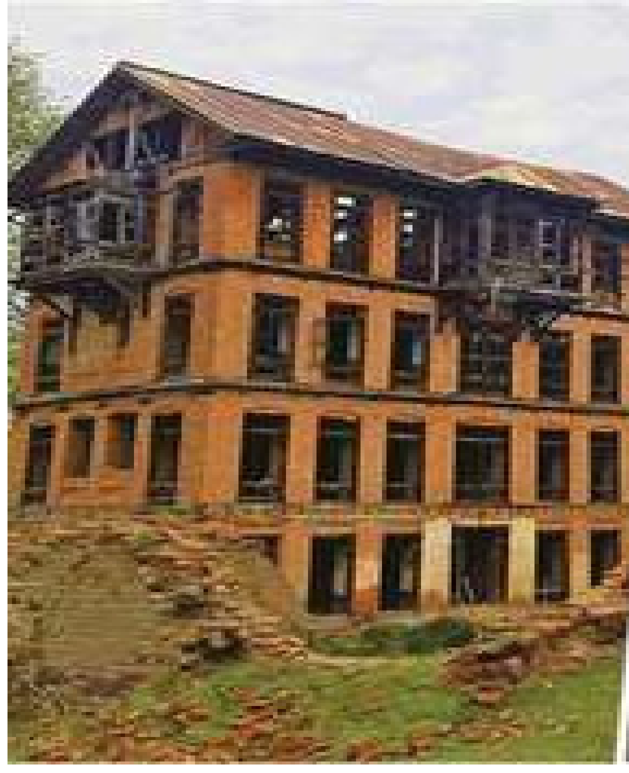

साल विक्रमी संवत के हिसाब से 1988 था। इसीलिए जम्मू-कश्मीर के हिंदू-सिख समाज में इसे 'ठासिएं ना शोरश' (संवत अठासी का नरसंहार) के नाम से याद किया जाता है। फिल्मकार विवेक रंजन अगिन्होत्री और उनकी पतने पल्लवी जोशी ने कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचारों का ब्योरा पाने के ऐसे ही कश्मीरी शरणार्थी परिवार में पैदा हुआ। मेरे पिता और दादा को अपने जीवन में तीन बार केवल इस अपराध के लिए घरबार छोड? और शरणार्थी बनने पर मजबूर किया गया, क्योंकि वे मुसलमान नहीं थे। दुर्भाग्य से इस सांप्रदायिक त्रासदी में तीनों बार कहानी का विलेन कश्मीर फाइल्स आधिकारिक विलय हो चुका था और भारत-पाक विभाजन की हिंसा भी खत्म हो चुकी थी। दरअसल जब अक्टूबर 1947 में पाकिस्तानी सेना ने कबाइलियों के रूप में कश्मीर पर हमला किया, तब अकेले मीरपुर में आसपास के इलाकों से अपनी जान बचाने के लिए जो 42 हजार हिंदू कश्मीर है। अपने पिता, दादा और हिंसा से बचकर आए अन्य लोगों से मैं ऐसे कई किस्से सुन चुका हूं, जिनमें मुजफ्फराबाद, मीरपुर और अलीबेग में हिंदू युवतियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया और फिर उनकी हत्या कर दी गई। कई जगह कबाइलियों की भीड़ द्वारा किसी हिंदू या सिख को दो टुकड़ों में काट देने की भी घटनाएं हुईं। पाकिस्तानी सेना के श्रीनगर के करीब पहुंच जाने के बाद भी उसकी हार का एक बड़ा कारण यह रहा कि उसने 'इस्लाम खतरे में है' के नाम पर जिन आक्रांताओं को किया था, उनका एक बड़ा वर्ग लूटपाट, हत्या और दुष्कर्म में इतना व्यस्त हो गया कि पाकिस्तानी सेना की गति और शक्ति तय योजना से बहुत पीछे रह गई। यही कारण था कि भारतीय सेना को श्रीनगर बचाने के लिए समय मिल गया। इस हिंसा से बचकर जो लोग किसी तरह श्रीनगर पहुंचने में सफल रहे, उन्हें शेख अब्दुल्ला के आदेश पर वहां रहने की इजाजत नहीं दी गई। शेख अब्दुल्ला की दलील थी कि इन लोगों के घाटी में बस जाने से 'कश्मीरियत डायल्यूट हो जाएगी।' लिहाजा अक्टूबर-नवंबर की सर्दी में पैदल ही बनिहाल दर्रा पार कर तमाम शरणार्थी ऊधमपुर और जम्मू जाने को विवश हुए। इनमें से अनेक सर्दी, भूख और थकान से रास्ते में ही प्राण गंवा बैठे। बाद में शेख अब्दुल्ला के आदेश पर इन शरणाथिर्यों को जम्मू और ऊधमपुर से भी पंजाब की ओर भगाया गया। इस तरह बार-बार उजाड़े गए इन लोगों की कश्मीरी पहचान ही खो गई। किसी जमाने में भारतीय संस्कृति का केंद्र माने जाने वाले कश्मीर में इस तरह के अत्याचारों की कहानी इतनी लंबी है कि अगर किसी फिल्म निर्माता में इच्छा और नैतिक साहस हो तो द कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों की एक लंबी श्रृंखला बन सकती है, जो नाजी अत्याचारों पर बनी 'शिंडलर्स लिस्ट' सरीखी फिल्मों को भी शर्मिंदा कर दे। द कश्मीर फाइल्स तो 1931 से कश्मीर में हिंदुओं, सिखों, बौद्धों आदि पर हुए अत्याचारों का ट्रेलर मात्र भी नहीं।

वैवाहिक विवादों की विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए महिला थाना प्रभारी के साथ बैठक का किया गया आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में प्री-लिटीगेशन स्तर पर पारिवारिक लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आज महिला थाना प्रभारी के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पारिवारिक मामलों संबंधी प्रकरणों के थाने पर प्राप्त होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को संदर्भित करने हेतु निर्देशित किया गया तथा प्री-लिटीगेशन स्तर पर अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित किये जाने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में श्री जयहिंद कुमार सिंह, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर एवं महिला थाना प्रभारी श्रीमती नीरज उपस्थित रही।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

मैहर मां शारदा देवी मंदिर के मेले की तैयारी को लेकर देवी जी चौकी में एसडीओपी हिमाली सोनी, एवं एसडीएम ने ली दुकानदारों की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर ।मां शारदा देवी मंदिर में 2 अप्रैल से चैत्र नवरात्र मेले की शुरुवात होन है जिसको लेकर मैहर प्रशासनिक अधिकारियों ने देवी जी के दुकानदारों की बैठक ली, बैठक में एसडीएम धर्मेंद्र मिश्रा,तहसीलदार मानवेंद्र सिंह, एसडीओपी हिमाली सोनी, मैहर थाना प्रभारी विद्याधर पांडे, देवी जी चौकी प्रभारी संतोष उलाटी मौजूद रहे। बैठक में दुकानदारों को आवश्यक निर्देश दिए जिसमे दुकानदार द्वारा यात्रियों को परेशान नही किया जाएगा, यात्री जितने के प्रसाद मांगे उतने का ही प्रसाद दे, रेट से ज्यादा में प्रसाद की बिक्री नही की जाएगी, दोषी पाए जाने पर दुकान को सील किया जाएगा, दुकान में डेस्ट बीन अनिवार्य है ।

कलेक्टर पहुंचे मैहर, बच्चों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना 24 मार्च 2022/अमदरा में टीकाकरण के दौरान अस्वस्थ हुए 4 बच्चो के स्वास्थ्य का जायजा लेने कलेक्टर अनुराग वर्मा सिविल हॉस्पिटल मैहर पहुंचे। कलेक्टर ने बच्चों और उनके अभिभावकों से बातचीत की और उपचार प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव भी उपस्थित थे। मैहर सिविल हॉस्पिटल में मौके पर उपस्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक अवधिया ने बताया कि अमदरा में टीकाकरण के पश्चात 4 बच्चों को बेचैनी और अस्वस्थता की शिकायत हुई थी। जिन्हें तत्काल मैहर लाकर ऑब्जर्वेशन में रखा गया। सभी चार बच्चों की जांच में ब्लड प्रेशर एवं अन्य जांचे सामान्य पाई गईं। ड्रिप लगाने के बाद सभी बच्चे स्वस्थ हैं। खतरे की कोई बात नहीं है। मैहर और सतना से डॉक्टरों की एक टीम अमदरा भेजी गई है, जो आज टीकाकृत हुए सभी बच्चों को आब्जर्व करेगी।

दिनांक 25.3.2022 को छत्रिय सुनार युवक समिति प्रयागराज में होली मिलन समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनुराग केसरवानी

जिसमें संस्था के अध्यक्ष राजनाथ वर्मा, महामंत्री रविंद्र कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष पप्पू वर्मा,महिला अध्यक्ष क्रांति जौहरी, महामंत्री ममता वर्मा,शिव शंकर वर्मा,अशोक कुमार वर्मा, हरीश वर्मा शिवम् वर्मा,दिनेश अशोक कुमार वर्मा,हरीश वर्मा, शिवम् वर्मा,दिनेश सोनकर,शिव शंकर, अशोक कुमार,आदि ने एक दूसरे के ऊपर अबीर गुलाल लगाकर गले मिले साथ ही संस्थान की और से शुरू गुरमीत सिंह द्वारा राधा कृष्णा की पूजा फूलों की राजा राधा कृष्णा की फूलों की होली खेली सभी लोगो ने

किसानों को उनकी गेहूं की फसल का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद में किसानों को उनकी गेंहू की फसल का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में गेहूं क्रय नीति संचालित की जा रही है। इसी क्रम आज जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में गेंहू खरीद प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उन्होंने ने जनपद में सभी किसानों को सरकार की गेहूं क्रय नीति का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से मार्केटिंग विभाग, सहकारिता विभाग एवं एफसीआई के संबंधित अधिकारियों को गेहूं क्रय केंद्रों पर प्रतिदिन मानकों के अनुसार खरीद करने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सभी गेहूं खरीद केंद्रों पर वीडियोग्राफी कराते हुए मानकों के अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखी जाएंगी। इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता को बहुत ही गंभीरता के साथ लेकर जिला प्रशासन कार्यवाही करेगा। अपर जिलाधिकारी ने नियमित रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद करते समय किसानों के साथ सरल व्यवहार करते हूये गेहूं खरीद सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों में सरकार की गेहूं क्रय नीति का व्यापक प्रचार प्रसार भी अपने अपने स्तर पर सुनिश्चित किया जाएगा ताकि अधिकतम किसान अपने गेहूं की बिक्री केंद्रों पर करते हुए लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी सोनी गुप्ता, एफसीआई के अधिकारीगण तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

मैहर में इन दिनों खाने वाली तेल की बड़ी कम्पनी पैर पसार रही है तेल टैंकर से आता है लेकिन ब्रांड का लेबल यहां लगाया जाता है

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर । मैहर के सतना रोड़ पर गुंडई के दम पर खुलेआम प्रशासन के नाक के नीचे बिना ब्रांड वाले रिफाइंड तेल को टैंकर के माध्यम से यूपी से लाया जाता है, वही सूत्रों की माने तो तेल टैंकर से तो लेकर बड़ी बड़ी तीन टंकियों में भरकर स्टॉक रखा जाता है, और उसी तेल की तंकियो से छोटे बड़े पुराने डिब्बो में तेल को भरा जाता है और स्टीकर लगाकर ब्रांड का नाम दे दिया जाता है और बाजार में ऑटो के माध्यम से थोक व फुटकर व्यपारियो के यहां पहुचाया जाता है यही नही गाड़ी से माल ले जाने वाला भी मालिक का खास व्यक्ति रहता है। जबकि लाया गया टैंकर का तेल की गुडवत्ता को स्थानीय प्रशासन व खाद्य विभाग द्वारा जांच के बाद ही पैकिंग होना चाहिए उसके बाद रजिस्ट्रेशन हुए नाम का मोनो वाला ही स्टीकर लगाकर बाजार में बेचना चाहिए और उपयोग करना चाहिए लेकिन इस टैंकर वाली तेल तो एक ही टैंकर से आया तेल लेकिन ब्राण्ड अनेक स्टिकर चिपका कर भोलेभाले जनता को चूस रहे है यही नही खाने पर ये तेल कितना उपयोगी है और लोगो को फायदा देता है इसकी गारन्टी लेने वाला कोई नही क्योंकि तेल की गुडवत्ता देखने वाले शायद कोई नही या मील जुलकर है या तो किसी को जानकारी नही वैसे सूत्र तो यह भी दवा करते है कि इंसानों की खाने की चीजों पर खाद्य विभाग जांच के बाद भी लीपा पोती कर ज्यादातर जांच भी व्यपारियो की तरफ ही होता है, वैसे आपको बता दे कि सैकड़ो टिन तेल प्रति दिन क्षेत्र में तेल भेजा जा रहा है ब्रांड का नाम भी गजब,, जगमणि ,, कोल्हू ,, फूल ,, उसके अलावा भी फुटकर बेचने वाले व्यपारियो के डिमांड पर भी किसी भी ब्राण्ड वाली तेल की डिब्बा पर स्टिकर चिपका कर व्यपारियो को डिमांड पूरा करते है। ये कमाई के लालच में जनता को चिपका देते है और कमाई के लालच में जिंदगी से खिलवाड़ भी कर रहे है।

आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह एवं जिलाधिकारी सुहास एल0वाई0 के नेतृत्व में आबकारी विभाग लगातार एक्शन मे

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व पुलिस कमिशन्र आलोक सिंह एवं जिला अधिकारी सुहास एल0वाई0 के नेतृत्व में जनपद में अवैध शराब के विरूद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी गौतम बुद्ध नगर राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि आज जिले के समस्त आबकारी निरीक्षकों द्वारा मामूरा, दादरी, अग्गापुर, गुलावली में दविश देकर कुल 124.92 ब0ली0 अवैध शराब बरामद की गई एवं आबकरी निरीक्षक क्षेत्र 3 द्वारा एक अभियुक्त अहमद पुत्र यासीन को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध शराब की बिक्री को लेकर आगे भी जनपद में निरंतर गहन सर्च अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को सचेत करते हुए कहा है कि उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उक्त जानकारी राकेश चैहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

भा कि यू (भानू) ने मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ को पुन मुख्यमंत्री बनने पर दी बधाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव रवि राघव ने योगी आदित्यनाथ को लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई दी है। किसान नेता ने उम्मीद जाहिर की है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों के हित में कार्य करेगी , किसान नेता रवि राघव ने आगे कहा है कि सरकार आवारा पशुओं की समस्या पर भी ध्यान देगी एवं किसानों को पर्याप्त बिजली मिलेगी एवं किसानों को अच्छा बीज एवं खाद भी उचित समय पर मिलेगा।

नोएडा स्टेडियम मे देश का पहला खेलो दुनियाठका हुआ आगाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा।देश के युवाओं के बीच खेल को बढावा देने के लिए आज देश का पहला खेलो दुनिया कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमे देश के कोने कोंने से आकर खिलाडियों ने हिस्सा देता खेलो दुनिया कार्यक्रम के माध्यम से देश के सभी प्रमुख खेलों में देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को देश का नाम रोशन करने मे सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि किस तरह कार्यक्रम की व्यवस्था की गयी है कोविड

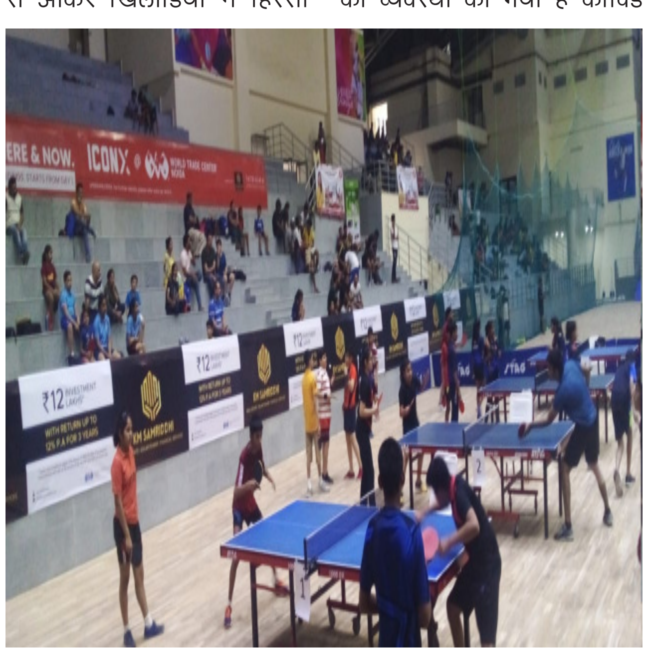

लिया। भारत को महान खेल राष्ट्र बनाने के उद्देश्य को पूरा करने हेतु भारत सरकार के खेलों दुनिया कार्यक्रम आज नोएडा स्टेडियम मे आयोजित किया गया है । इस कार्यक्रम के इस्पान्सर कृष्णा मोहन से हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल ने एक बातचीत भी की। उन्होंने नोएडा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को धन्यवाद भी दिया। और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को उडान का पालन भी बखूबी किया गया है ।गेट पर थर्मल पावर मशीन लगाई गयी पूरे स्टेडियम मे कैमरे लगाये गये है यह सभी व्यवस्था फॉर्चून मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड की तरफ से किया गया है । इसमें सभी खेलो को रखा गया है अभी तक लगभग 400 खिलाडियों ने इस खेलो दुनिया कार्यक्रम मे हिस्सा लिया है । इसमें इनके सहयोगी विकास शर्मा,मनीष सैनी,सुधीर कुमार आदि थे।

विधायक के प्रयास से 15 करोड़ के निर्माण कार्यों की मिली सौगात

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। ब्यौहारी विधानसभा के युवा आदिवासी विधायक शरद जुगलाल कोल ने पत्रकार वार्ता बुलाकर पत्रकारों के समक्ष 15 करोड़ की लागत से किए जाने वाले निर्माण कार्यों की जानकारी विधायक शरद कोल ने बताया व्योहारी विधानसभा के अंतर्गत निर्माण किए जाने वाले नगर परिषद व्योहारी अंतर्गत गॅडिटोरियम में पुस्तकालय निर्माण दो करोड़ की लागत से एवं बुढ़वा से जनकपुर पहुंच मार्ग हेतु सडक निर्माण 5 करोड़ की लागत से व पंडित राम किशोर शुक्ल स्मृति कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय व्योहारी बस स्टैंड के पास कमर्शियल कंपलेक्स दुकान का निर्माण कार्य 2 करोड़ लागत से एवं नगर परिषद मार्ग हेतु सडक निर्माण कार्य के लिए एक करोड रुपए तथा नगर परिषद वार्ड वाणसागर में स्टेडियम बैठने हेतु निर्माण ?50लाख नगर परिषद व्योहारी में स्टेडियम बैठने हेतु स्टार रनिंग ट्रैक का निर्माण कार्य दो करोड़ रुपए एवं ग्राम पंचायत अमझोर हायर सेकेंडरी स्कूल में स्टेडियम बैठने हेतु का निर्माण कार्य 50 लाख रुपए ग्राम पंचायत गिरुई खुर्द के ग्राम कल्हेह से बनिया तालाब पहुंच मार्ग पर पुलिया निर्माण कर 1 करोड़ रुपए कुल 15 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य किए जाने हैं जो यह सभी निर्माण कार्य व्योहारी रीवा शहडोल मार्ग पर पोंड़ी तिराहा के पास बस स्टैंड का निर्माण कार्य दो करोड़ की लागत से व नगर परिषद व्योहारी वार्ड नंबर 5 में गोदावाल तिराहा से गोदावल पहुंच तत्कालिक शुरू होंगे। जो विधानसभा के आम जनता के लिए बहुत बड़ी सौगात मिलता नजर आया विधायक ने बताया कि ग्रामीण जनताओं की निरंतर मांग अनुसार प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान द्वारा यह स्वीकृति विधानसभा बजट के दौरान दी गई है एवं विधायक ने बताया कि ग्रामीणों के मांग अनुसार ही पूर्व में सोन नदी का पुल निर्माण कार्य चल रहा है जो आने वाले 1 वर्ष तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है एवं व्योहारी से वनसुकली से सीधी पहुंच मार्ग भी निर्माण कार्य चल रहा है जो आने वाले 1 वर्ष के अंदर पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है विधायक ने बताया आने वाले समय में कई बड़े निर्माण कार्य एवं विकास कार्यों की सौगात मिल सकते हैं

मैहर के अमदरा थाना छेत्र से

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर । माध्यमिक शाला मैहर के खेरवासानी गांव में बच्चो पर चल रहे वैक्सीनेशन से बच्चे हुए बेहोश अमदरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्कूली बच्चों को लगाई गई कोरोना वैक्सीन में हुई भारी लापरवाही की वजह से हुआ रियेक्शन 45 बच्चो ने लिय था डोज आभी तक 24 बच्चों से ज्यादा पहुंचे सिविल अस्पताल मैहर 4 सतना जिला रेफर परिजन हो रहे परेशान युवा नेता समाजसेवी आदर्श चतुर्वेदी रहे मौजूद उन्होंने सभी के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने की अपील की है ताकि सभी बच्चे जल्द स्वस्थ हो साथ ही क्षेत्र में जन जन के समस्यों में हमेशा एक सक्रिय व्यक्ति के रूप में लगातार अपने काम से पहचान बनाने वाले युवा नेता आदर्श चतुर्वेदी जी रहे मौजूद और उन्हों ने कहा है कि हम शासन प्रशासन से मांग करते है कि इस लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए जिससे दुबारा ऐसी गलती नही हो आज कई लोगो की जान खतरे में है।

राशिफल

मेष-:एक समय पर कई कार्य एकसाथ करने की चेष्टा के बजाय एक ही कार्य हाथ में लें। मित्र द्वारा छला गया व अकारण ही आहत महसूस कर सकते हैं।

वृष-:जीवन में सुख व सौहार्द रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण व ऊर्जावान रहेंगे। तनाव लिए बगैर सफलता प्राप्त करेंगे। रचनात्मक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन-:परिवार व प्रियजनों संग सुखद समय बिताएंगे। अर्थपूर्ण संबंध व खास अवसर निर्मित होंगे। अभिरुचि की गतिविधियों में भाग लेंगे व विश्राम से स्वयं को तरोताजा करेंगे।

कर्क-:विकल्प मौजूद होने पर आप अधीर हो सकते हैं,कोई भी निणर्य लेने से पहले प्राथमिकताओं पर ध्यान दें। विनोदप्रिय रवैया कठिन परिस्थितियों से निकलने में मदद करेगा। पूर्वाग्रही व कुटिल व्यक्ति

सिंह-:धैर्य, परिश्रम व चतुराई से व्यावसायिक व वित्तीय मामलों का प्रबंधन करेंगे। प्राकृतिक व वैकल्पिक चिकित्सा से आपकी व परिवार की स्वास्थ्य समस्याएं हल हो सकती हैं।

कन्या-:स्वास्थ्य व व्यावसायिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक व निजी जीवन में कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हो सकते हैं। भाग्य आपके साथ है। व्यावसाय में तेजी आएगी। विरोधियों से प्रतिस्पर्धा के

तुला-:खानपान, काम, व विश्राम में संतुलन बिठाने की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर परिवर्तनों के बावजूद प्रतिष्ठा कायम रखेंगे। वित्तीय व संपत्ति से जुड़े मामले थोड़े से प्रयास से हल होंगे।

वृश्चिक-:अंतर्द्वंद्व महसूस करेंगे। कई भावनात्मक व व्यावसायिक निणर्य लेने पड़ सकते हैं। जब कई विकल्प मौजूद हों तो अत्यधिक विश्लेषण के बजाय त्वरित निर्णय सफलता की ओर ले जाएंगे।

धनु-:अपने भीतर छिपी क्षमताओं का साक्षात्कार करेंगे। धैर्य, सतत प्रयासों व सकारात्मक ऊर्जा के साथ जड़ता व विरोध का सामना करें। विभिन्न गतिविधियों में व्यस्तता के मध्य सुरक्षा का भाव हृदय में रहे

मकर-:पूरी ऊर्जा के साथ योजनाओं पर अमल आरंभ करेंगे। अक्सर कार्यव्यवहार में आप चरम पर पहुंच जाते है, किसी भी प्रकार के अतिरेक से बचें। बाधक परिस्थितियों से निराश होने के बजाय उनपर

कुंभ-:नए अवसर प्रस्तुत होंगे व व्यावसायिक मामलों को कुशलता से हल करेंगे। व्यावसायिक बैठक में अपनी बेहतरीन योजनाओं व विचारों से लोगों को प्रभावित करेंगे।

मीन-:संबंधों में समझदारी व वित्तीय लेनदेन में सजगता अपेक्षित है। अपनी भावनाओं, विचारों व योजनाओं को ईष्यालु लोगों से सुरक्षित रखें, वे उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं।

दूसरे दिन 347 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा.....................

सोनभद्र। यूपी बोर्ड की परीक्षा के तहत शुक्रवार को प्रथम पाली में इंटरमीडिएट की संगीत गायन, वादन व नृत्य कला की लिखित परीक्षा हुई। इसमें 8 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 7 उपस्थित हुए और एक अनुपस्थित रहा। द्वितीय पाली में हाईस्कूल की संगीत गायन की लिखित परीक्षा हुई। इसमें 88 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 85 उपस्थित हुए और 3 अनुपस्थित रहे। इसी तरह इंटर की कृषि शस्य विज्ञान की परीक्षा हुई। इसमें 264 बच्चे पंजीकृत थे, जिसमें से 255 ने परीक्षा दी। 9 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

दहेज हत्या के आरोप में सास ससुर समेत चार गिरफ्तारजागरण संवाददाता

सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के सलैयाडीह ग्राम पंचायत में बीते 3 माह पूर्व संदिग्ध हाल में एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर में फंदे से लटकता मिला था। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के बाद शुक्रवार को पुलिस ने उसके ससुराल पक्ष के चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में मृतका संजू देवी के पति अनिकेत राम को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। शुक्रवार को पुलिस ने मृतका के ससुर लालाराम पुत्र स्व. रामजियावन, सास सरस्वती देवी, देवर पिटू उर्फ मुकेश, देवरानी नीलम देवी उर्फ अंजली देवी पत्नी पिटू को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। बता दें कि 1 जनवरी 2022 शुक्रवार को संजू देवी (20) पत्नी अनिकेत राम का शव उसके ससुराल में संदिग्ध हाल में फंदे से लटका मिला था। सूचना पर मृतका के मायके वाले मौके पर पहुंचे थे और ससुराल वालों पर दहेज को लेकर जान लेने व मौत को दूसरा रूप देने के लिए फांसी के फंदे पर झुलाने का आरोप लगाया था। स्वजन की तहरी पर पुलिस ने मृतका के पति समेत अन्य के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। थाना प्रभारी निरीक्षक सूर्यभान ने बताया कि इस मामले में मृतका के मौत के बाद ही उसके पति अनिकेत राम को जेल भेज दिया गया था।

श्रमिकों ने ऊर्जा भवन पर किया प्रदर्शन

ओबरा (सोनभद्र) । परियोजना में कार्यरत संविदा श्रमिकों का घर खाली कराने की चल रही प्रक्रिया सहित कालोनी में बिजली, पानी के साथ अस्पताल में दवा नहीं मिलने पर कड़ा विरोध जताया। कहा कि कालोनी में

कई अन्य मांगों को लेकर ऊर्जा भवन पर कर्मचारियों एवं संविदा श्रमिकों ने प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के बैनर तले पहुंचे सैकड़ों श्रमिकों ने प्रशासन विरोधी नारे लगाए। इस दौरान हुई सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लंबे समय से कार्यरत संविदा श्रमिकों के घर खाली कराने की चल रही प्रक्रिया बंद की जाए। कहा कि प्रशासन के पास 564 श्रमिकों की जो लिस्ट है उसमें कई त्रुटियां हैं। इसमें 25 वर्ष से कार्यरत संविदा श्रमिकों का नाम नहीं है। वक्ताओं ने सड़कों की जर्जरता काफी ज्यादा है। श्रमिकों को कपड़ा, साबुन, गुड़ भी नहीं मिल रहा है। बिजली कर्मचारी संघ ने कहा कि संगठन को आंदोलन करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रांतीय अध्यक्ष अजय कुमार सिंह, योगेंद्र दुबे सहित धर्मवीर यादव, प्रदीप कनौजिया, मधुकांत यादव, संजय शर्मा, हरिदर यादव, अंजार खान, बानी व्रत बनर्जी, अजीत साहू, पंकज सिंह, पुष्कर सिंह आदि मौजू रहे। अध्यक्षता प्रभात कुमार पांडेय तथा संचालन योगेंद्र प्रसाद ने किया।

सड़क पर गंदा पानी देख कमिश्नर नाराज

विंध्याचल (मीरजापुर) : चैत्र नवरात्र मेला नजदीक आते ही निरीक्षण और बैठक का दौर शुरु हो गया है। नवरात्र मेला तैयारी को लेकर मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने शुक्रवार को विंध्यधाम पहुंचकर निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिया। कहा कि नवरात्र मेला की तैयारी ऐसी होगी, जो पूर्णिमा तक रहेगी। चैत्र नवरात्र मेला दो अप्रैल से शुरु होकर नौ अप्रैल तक चलेगा। नवरात्र मेला की तैयारियां लगभग शुरु हो चुकी हैं। विंध्यवासिनी मंदिर के साथ पक्का घाट, थाना कोतवाली रोड का निरीक्षण किया। मंदिर के पूरब तरफ बैरिकेडिग भी देखी। थाना कोतवाली रोड पर नाली का गंदा पानी बहते देख ईओ ने नाराजगी जताई। नगर पालिका को चेताया कि पुनः निरीक्षण के दौरान ऐसा नहीं दिखना चाहिए। संपर्क मार्गो व नालियों की सफाई तत्काल शुरु कराने का निर्देश दिया। दर्शनार्थियों की सुविधा के मद्देनजर न्यू वीआइपी मार्ग पर आरसीसी सड़क निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद पुरानी वीआइपी मार्ग पर आरसीसी सड़क का निर्माण होगा। मंडलायुक्त ने सड़कों पर दरी बिछाने, टेंट लगाने के साथ पेयजल, प्रकाश व गंगा घाटों पर महिलाओं के वस्त्र बदलने की व्यवस्था समय रहते पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि मुख्य मार्गों पर ठेला व दुकानों के सामने चौकी इत्यादि न लगने पाए।

युवक ने की महिला की पिटाई, रेफर

घोरावल (सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के तिलौली कला गांव में शुक्रवार को खेत में काम कर रही महिला के साथ एक युवक ने मारपीट किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। तिलौली कला निवासी शशि कला (29) पत्नी अनिल सिंह को उनके स्वजनों ने घायल अवस्था में घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। शशि कला ने बताया कि वह शुक्रवार की भोर में अरहर के खेत में कटाई कर रही थी। उसी दौरान गांव का एक युवक खेत में घुस आया और उसके साथ मारपीट किया। मौके पर पहुंचे स्वजनों ने शशि कला को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्वजनों के मुताबिक घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

कोल खदान के नालों से अवैध खनन जोरों पर

अनपरा (सोनभद्र) । एनसीएल के कोल खदानों से निकलने वाले नालों में खन्न का कारोबार जारी है। ककरी, बीना, खड़िया, दुधीचुआ कोल खदानों के आधा दर्जन से अधिक नालों में दर्जनों ट्रैक्टर दिन-रात खन्न करने में जुटे हैं। खन्न किए जाने से नालों का स्वरूप बदरंग हो गया है। बारिश के मौसम में कोल खदानों के पहाड़ों से छन कर मिट्टी नाले में जमा हो जाती है पहाड़ की यह मिट्टी बालू जैसी होती है। जिसे यहां के रहवासी लोकल बालू के नाम से जानते हैं। खनन कर्ता इस लोकल बालू को डेढ़ से दो हजार रुपये प्रति ट्रैक्टर के हिसाब से स्थानीय बाजार व संविदाकारों के यहां बिक्री करते हैं। बालू का दर काफी महंगा होने के कारण लोग इसे लाल बालू में मिलाकर निर्माण कार्य में उपयोग करते हैं। खन्न की वजह से नालों के समीप जाने वाला संपर्क मार्ग दिन-रात ट्रैक्टरों की आवाजाही से पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गया है। इस खन्न को रोकने की दिशा में कोई भी संबंधित विभाग सामने नही आ रहा है।

अब धूमधाम से होगी गरीब बेटियों की शादी, बचेगा फिजूल खर्च

मीरजापुर । गरीब पिता को बेटियों की शादी के लिए अब फिजूल खर्च नहीं करना पड़ेगा। धूमधाम से बेटियों की शादी कर सकेंगे। शादी विवाह समारोह में बहुत पैसे की फिजूलखर्च होती है। सबसे महंगा तो लॉज का किराया होता है। नगर पालिका की ओर से सिटी क्लब मैदान पर आधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण कराया गया है। अब गरीब पिता को अधिक पैसा खर्च कर लॉज बुक करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रेक्षागृह में वो सारी सुविधाएं होंगी, जो लाख रुपये खर्च करने के बाद प्राइवेट लॉज में मिलती है। बेटी के हाथ पीले करना हर माता-पिता का सपना होता है। बेटी की शादी की चिता उन्हें बेटी के पैदा होते ही सताने लगती है। खासकर जो लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे एक-एक पैसा जोड़ते है ताकि बेटी की

शादी में कोई परेशानी न आए। ऐसे ही लोगों की जिम्मेदारियों को सरकार बांट रही है। हर पिता चाहता है कि उसकी बेटी की शादी धूमधाम से हो और कोई कमी न रह जाए। इसी कारण आर्थिक रूप से कमजोर होने के बाद भी गरीब पिता को शहर के बीच बने लॉज बुक करने के लिए 50 हजार से लेकर दो लाख से अधिक रुपये खर्च करना पड़ता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। गरीब पिता अपनी बेटी की शादी करने में कर्जदार न बने, इसके लिए नगर पालिका की ओर से अवस्थापना निधि के अंतर्गत 1.89 करोड़ रुपये की लागत से सिविल लाइन स्थित सिटी क्लब मैदान पर आधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण कराया गया है। हालांकि अभी प्रेक्षागृह का किराया तय नहीं किया गया है, लेकिन इसका किराया प्राइवेट लॉज से कम होगा। प्रेक्षागृह बनने से शादी विवाद समारोह के साथ ही विभागीय मीटिंग व कांफ्रेंसिंग भी की जा सकेगी। आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रेक्षागृह पूरी तरह से वातानुकूलित है। चार सौ लोगों की क्षमता वाले प्रेक्षागृह में कांफ्रेंस हाल, मीटिंग हाल, स्टेज, दो हाल, आठ कमरा व शौचालय बने हैं। वर्जन चैत्र नवरात्र में प्रेक्षागृह का उद्घाटन कर जनता को सौंपा जाएगा। नवरात्र बाद लगन भी शुरू हो रहा है। आधुनिक प्रेक्षागृह से गरीब परिवार को लाभ मिलेगा ही, फिजूल खर्च भी बचेगा।

15 वर्ष बाद भी नहीं संचालित हो सके आदिवासी एकलव्य विद्यालय

कोन (सोनभद्र) । स्थानीय ब्लाक के ग्राम पंचायत पिपरखाड़ में 15 वर्ष बाद भी आदिवासी एकलव्य विद्यालय में पठन-पाठन शुरू नहीं हो सका है। विधायक भूपेश चौबे ने अपने पहले शोर से पहल शुरू की थी, जिसका नतीजा यह था कि जिलाधिकारी ने भी भ्रमण कर विद्यालय की बाउंड्री व रास्ता का निर्माण कराया था। तब ग्रामीणों को आस जगी थी कि अब

कार्यकाल में यहां पढ़ाई शुरू कराने की पहल की थी लेकिन वह पूरी नहीं हो सकी। मायावती के शासन काल से जनजाति आदिवासी एकलव्य विद्यालय की शुरुआत हुई थी, लेकिन जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की उदासीनता की वजह से 15 वर्ष बीत जाने के बाद भी सरकार द्वारा करोड़ो रुपये खर्च होने के बावजूद विद्यालय का शुभारंभ नही हो सका। हां, यह जरूर है कि पिछले कार्यकाल में सदर विधायक भूपेश चौबे ने विद्यालय में पठन पाठन की शुरुआत के लिए जोर विद्यालय शुरू हो जाएगा। समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर ने विद्यालय को पिछले सत्र अप्रैल माह में शुरू होने का आश्वासन दिया था। अभी तक विद्यालय में मेज, कुर्सी, रंगाई, पोताई व बाहरी साज सज्जा हो चुकी लेकिन अभी भी अध्यापक व अन्य कर्मचारी की तैनाती नहीं हो सकी है। इससे सरकार द्वारा आदिवासी बच्चों के उत्थान करने के लिए करोड़ों रुपये तो खर्च किए जा चुके हैं लेकिन इस योजना का लाभ आदिवासी बच्चों को नही मिल पा रहा है।

बस स्टाप पर मिली नवजात, चाइल्ड को सौंपा

मीरजापुर। जिगना क्षेत्र के बिहसड़ा कला गांव में मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के समीप रोडवेज बस स्टैंड पर गुरुवार की भोर में नवजात बालिका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्वास्थ्य जांच व उपचार कराने के बाद चाइल्ड लाइन टीम को सौंप दिया। गुरुवार को तड़के शौच को जा रहे लोगों की नजर नवजात बालिका पर पड़ी तो भारी संख्या में भीड़ जुट गई। गांव निवासी रामानुज विश्वकर्मा की पत्नी राजकुमारी ने देखभाल व रखने की बात कहकर नवजात शिशु को लेकर

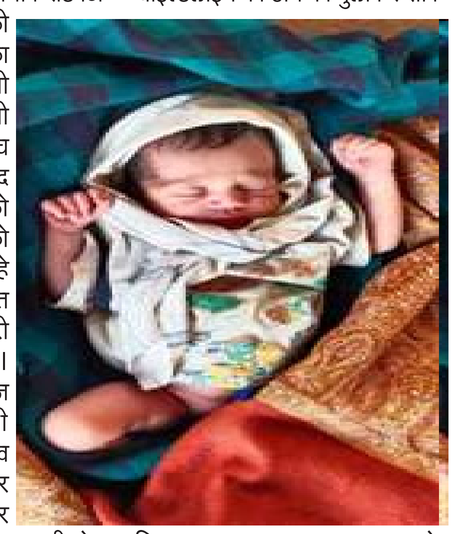

अपने घर चली आई। कुछ ही देर बाद पहुंचे नायब दारोगा छोटूराम महिला सहित नवजात को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोंई ले गए। यहां दवा इलाज के बाद जनपद मुख्यालय स्थित चाइल्डलाइन की टीम को बुलाकर सौंप दिया। नवजात पर अपना हक जताने की इच्छा राजकुमारी के दिल में ही रह गई।

निवेश मित्र से विंध्य क्षेत्र में विकास को मिल रहीं नई ऊंचाइयां

मीरजापुर । विंध्य क्षेत्र के उननति व विकास का मार्ग निवेश मित्र से प्रशस्त हो रहा है। निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से जनपद के लोगों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो रहा है। एनओसी के लिए लोगों को कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है। इसके चलते अबतक जिले में ही विभिनन विभागों से लगभग 3294 लोगों को क्लियरेंस प्रदान किया जा चुका है। पोर्टल के माध्यम से एक ही पटल पर सभी समस्याओं का समाधान होने से व्यापारियों को काफी राहत मिल रही है। उपायुक्त उद्योग विनोद कुमार चौधरी के अनुसार योजना के तहत जनपद में प्रदूषण विभाग 921, विद्युत 278, श्रम विभाग 1241, व्यापार कर चार, अग्निशमन 227, खाद्य विभाग 407, नगर निकाय चार, कृषि 64, विद्युत सुरक्षा 39, चिटफंड 25, बाट माप 83, राजस्व आठ, स्टाम्प छह, औषधि नियंत्रण चार, आबकारी द्वारा एक सहित विभागों द्वारा लगभग 3294 लोगों को ने एनओसी जारी किया जा चुका है। योजना के तहत अब न्यूनतम 15 दिन में घर बैठे विभिनन विभागों से अब एनओसी मिल रही है। यह है निवेश मित्र योजना निवेश मित्र एक सिगल विडो पोर्टल है, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के व्यापार को आसान बनाने के लिए शुरू किया गया है। इस आनलाइन पोर्टल पर राज्य के छोटे, मध्यम और बड़े व्यावसायिक और उद्यमियों के लिए निवेश मित्र संबंधित विभागों से सुरक्षा, कानूनी मेट्रोलाजी, पर्यावरणीय मुद्दे की मंजूरी और गैर आपत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जैसी कई आनलाइन सेवाएं प्रदान की जाएगी। सिगल विडो पोर्टल पर जनपद के 20 सरकारी विभाग की लगभग 70 सेवाएं आनलाइन उपलब्ध हैं। इसमें आवश्यक प्रमाणपत्रों की सूची, अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) और लाइसेंस शामिल हैं। प्रमाणपत्र, एनओसी, लाइसेंस का आनलाइन तृतीय पक्ष सत्यापन भी आनलाइन उपलब्ध है। आवेदक आनलाइन पोर्टल पर आनलाइन शुल्क का भुगतान, गैर आपत्ति प्रमाण पत्र, व्यवसाय के लिए अनुमोदन व लाइसेंस आदि के लिए आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल निवेशमित्र.यूपी.एनआईसी. इन पर निश्शुल्क आवेदन कर सकते हैं।

10 वर्ष से अधिक से निरूद्ध बंदियों के बारे में मांगी आख्या

सोनभद्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष व जनपद न्यायाधीश अशोक कुमार यादव प्रथम के आदेश पर डीएलएसए के पूर्ण कालिक सचिव पंकज कुमार ने जिला कारागार गुरमा का निरीक्षण किया। उन्होंने बैरकों, पाकशाला एवं चिकित्सालय की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इस दौरान विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। य पंकज कुमार ने जिला जेल में 10 वर्षों से अधिक निरुद्ध बंदियों के बारे में आख्या जेल अधीक्षक जेपी दुबे से मांगी। महिला बंदियों को पौष्टिक भोजन, साथ रह रहे बच्चों के लिए दूध और शिक्षा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जेल में स्थापित लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया। विधिक जागरुकता शिविर में कहा कि यदि किसी बंदी को विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकता है। यदि किसी बंदी को अपने मामले में पैरवी की आवश्यकता हो तो वह निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान प्रभारी जेल अधीक्षक जेपी द्विवेदी, पीएलवी राजन चौबे आदि मौजूद रहे।

शवदाह गृहों में कराए गए कार्यो की गुणवत्ता की कराएं जांच

सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी डा. अमित पाल शर्मा ने शुक्रवार को राब?र्ट्सगंज व घोरावल ब्लाक के गांवों में बने शवदाह गृहों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मानपुर में बने शवदाह गृह में कराए गए कार्यों के गुणवत्ता की जांच अपर जिला पंचायत राज अधिकारी तकनीकी से कराने का निर्देश दिया। विद्यालयों का निरीक्षण किया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को एक सप्ताह में चालू कराने का निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिया। सीडीओ डा. अमित पाल राबर्ट्सगंज ब्लाक के मानपुर गांव में पहुंचे। वहां उन्होंने जांच में पाया कि यहां शवदाह गृह का निर्माण कराया गया है। शौचालय व टाइलिग का कार्य अधूरा है। उसे एक सप्ताह में पूर्ण कराने का निर्देश दिया। यहां ग्राम पंचायत अधिकारी ने निरीक्षण के समय कोई अभिलेख या स्टीमेट नहीं प्रस्तुत किया। उन्होंने बनौरा द्वितीय गांव में निर्माणाधीन पंचायत भवन का निरीक्षण किया। इसकी प्राक्कलित लागत 21.45 लाख रुपये है। निर्माण में 10.52 लाख मनरेगा अंश शामिल है। ग्राम पंचायत अधिकारी ने बताया कि 15.34 लाख रुपये व्यय किया जा चुका है। वायरिग का कार्य हो रहा था, शौचालय का कार्य अधूरा मिला। सीडीओ ने एक सप्ताह में कार्य पूर्ण कराने व निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की जांच एडीपीआरओ तकनीकी से एक सप्ताह में कराने का निर्देश दिया। मानपुर मे तालाब निर्माण कार्य अच्छा मिलने पर खुशी जाहिर किया। तालाब के भीटे पर पौधारोपण कराने का निर्देश दिया। बनौरा व तिलौलीकला में मनरेगा से कोई कार्य नहीं हो रहा। दोनों जगहों पर तालाब, खेत तालाब के कम से कम 3 काम कराएं। मानपुर में स्थित नहर की एक सप्ताह में सफाई का निर्देश एक्सईएन मीरजापुर नहर प्रखंड को दिया। सीडीओ ने बताया कि शवदाह गृह तिलौली कला के निरीक्षण में शौचालय व इंटरलाकिग का कार्य अधूरा पाया गया। यहां निर्माण की गुणवत्ता जांच का निर्देश दिया। प्राथमिक विद्यालय सोनवट का निरीक्षण किया। यहां शौचलय गंदा मिला। प्रशासन को सफाई का निर्देश दिया। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय घोरावल के निरीक्षण के दौरान यहां की छात्राओं ने बताया कि उन्हें मच्छरदानी नहीं मिली है। इस पर बीएसए को इसकी व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। सीडीओ के मुताबिक जांच में पाया गया कि विद्यालय में सीसीटीवी कैमरा खराब है। इसके पूर्व भी निरीक्षण के समय इस विद्यालय के अलावा अन्य कस्तूरबा विद्यालयों में लगा सीसीटीवी कैमरा खराब पाया गया था। उन्होंने बीएसए को सभी कस्तूरबा विद्यालयों का सीसीटीवी कैमरे को तीन दिन में संचालित कराने का निर्देश दिया।

खुद्दी लदे ट्रकों से वसूला 84 हजार मंडी शुल्क

गोविदपुर (सोनभद्र)। म्योरपुर थाना क्षेत्र के मुर्धवा छत्तीसगढ़ बीजपुर मार्ग के आश्रम मोड़ पर गुरुवार को मंडी समिति ने दो ट्रकों को पकड़ा है। दोनों वाहनों पर खुद्दी लदी थी। ट्रकों के चालकों से कागजातों की जांच में मंडी शुल्क चोरी का खुलासा हुआ। ट्रकों के मालिकों से मंडी सचिव बबन राम ने 84150 रुपये मंडी शुल्क जमा कराया। सचिव ने बताया कि गुरुवार को आश्रम मोड़ पर जब ट्रकों को रोक कर कागजातों की जांच की गई तो पता चला कि राबर्ट्सगंज से रायपुर खुद्दी लेकर जा रहे दोनो ट्रकों ने मंडी शुल्क दिया ही नहीं। दोनों वाहन चोरी से ही जा रहे थे। गुरुवार की देर शाम ट्रक मालिकों ने शुल्क जमा किया। इसके बाद वाहनों को छोड़ दिया गया। सचिव ने बताया कि शुक्रवार की सुबह भी टीम रनटोला आश्रम मोड़ म्योरपुर आदि स्थानों पर जांच पड़ताल की गई लेकिन कोई हाथ नहीं लगा।

किशोरी को भगाने वाला आरोपित गिरफ्तार.....

मीरजापुर । देहात कोतवाली पुलिस ने किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने वाले आरोपित युवक आकाश चौहान पुत्र छविराम चौहान निवद्यसी बेदौली को क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के एक व्यक्ति ने 23 मार्च को तहरीर दिया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री को एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया है। तहरीर मिलने पर पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। शुक्रवार को सूचना मिली कि आरोपित युवक अर्जुनपुर गांव के पास मौजूद है। पुलिस वहां पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुरानी रंजिश को लेकर मारी थी गोली, दो हत्यारों को सात साल बाद मिली उम्रकैद

मीरजापुर । अपर सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या एक की न्यायाधीश प्रीति श्रीवास्तव तृतीय ने शुक्रवार को दो हत्यारों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया। वादी मुकदमा भुनेश्वर कुमार मिश्रा ने बताया कि आठ मार्च 2015 की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे उसके पिता जयप्रकाश मिश्रा घर से खाना खाकर सोने के लिए मशीन पर जा रहे थे। रास्ते में एक ही मोटरसाइकिल पर सवार गांव के ही नागेंद्र यादव उर्फ बंटी यादव पुत्र शिवकुमार यादव, राजन यादव पुत्र शिवपाल यादव व एक अज्ञात युवक पिता को रोककर पुरानी रंजिश को लेकर गाली देने लगे। जब पिता ने गाली देने से मना किया तो नागेंद्र ने कट्टा निकालकर जान से मारने की नियत से पिता के ऊपर गोली चला दी। पिता के बाएं कंधे पर गोली लग गई और लहूलुहान हो गए। गोली मारने के बाद कट्टे के मुड़ियआ से सिर पर भी मारा। इससे गंभीर चोटें आई। किसी तरह जान बचाकर लहूलुहान हालत में घर आए और उन्होंने सारी घटना पुत्र को बताई। पुत्र ने घायल पिता को लेकर अस्पताल पहुंचा, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने चुनार कोतवाली पर तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने विवेचना कर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया। आरोपितों के विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध करने के लिए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता पंकज कुमार सिंह ने कुल नौ गवाहों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता व अपराध की प्रकृति को देखते हुए न्यायालय ने आरोपितों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 25 हजार रुपये से दंडित भी किया।

परीक्षा ड्यूटी के दौरान सहायक अध्यापक की बिगड़ी तबियत, मौत

हलिया (मीरजापुर) । क्षेत्र के पंवारी कला स्थित शिव प्रताप सिंह इंटर कालेज के सहायक अध्यापक की ड्यूटी के दौरान अचानक तबियत खराब हो गई। विद्यालय प्रशासन ने आनन-फानन में अध्यापक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर आए। यहां चिकित्सक ने अध्यापक को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक के स्वजनों को दूरभाष पर सूचना दे दी। बिजनौर जनपद के थाना देहात कोतवाली अंतर्गत गंगोड़ा शेख निवासी अमित सिंह (31) वर्ष 2017 से शिव प्रताप सिंह इंटर कालेज पंवारीकला में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार को परीक्षा ड्यूटी के दौरान उनकी अचानक तबियत खराब हो गई। जब तक विद्यालय के कर्मचारी उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचते तब तक अध्यापक की मौत हो चुकी थी। सहायक अध्यापक के मौत की सूचना प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक जायसवाल ने थाने को मेमो द्वारा दे दिया। सहायक अध्यापक के आकास्मिक निधन से विद्यालय के अध्यापक सहित कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। इस संबंध में शिव प्रताप सिंह इंटर कालेज के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार ने बताया कि ड्यूटी के दौरान सहायक अध्यापक की हालत बिगड़ गई थी। पीएचसी पहुंचने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मृत अध्यापक के स्वजनों को दे दिया गया है। मृतक को एक पुत्र और एक पुत्री है। वह अपनी पतनी व बच्चों के साथ पंवारी कला गांव में रहते थे। मौत की खबर सुनते ही परिवार के लोग रोने-बिलखने लगे।

लोक जनसुनवाई में लोगों ने रखी मांग, मिली मंजूरी

अहरौरा (मीरजापुर) । पट्टी कला में स्थित खनन पट्टा स्थल पर पट्टाधारक द्वारा खन्न कार्य किए जाने से पूर्व पेयजल की व्यवस्था, प्रदूषण रोकने को पानी का छिड़काव, ग्राम सभा की खाली पड़ी भूमि पर पौधारोपण, खनन पट्टा स्थल के चारों ओर कटिलें तारों से घेराव के साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार की मांग की गई। यह मांग आयोजित लोक सुनवाई में क्षेत्रीयजनों ने उठाई। इस पर पट्टाधारक ने अपनी सहमति जताई और लोगों की मांगों को जल्द ही पूरा कराने का आश्वासन दिया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा शुक्रवार को पट्टी कला में स्थित प्राथमिक विद्यालय पर पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। एडीएम नमामि गंगे अमरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी टीएन सिंह की मौजूदगी में लोक जन सुनवाई शुरू की गई। पट्टाधारक अब्दुल हमीद ने पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक जनसुनवाई में उपस्थित लोगों के प्रस्ताव को सुन उसपर अपनी सहमति जाहिर की। एडीएम ने बताया कि जन सुनवाई के दौरान खनन पट्टा से ग्रामीणों को होने वाली परेशानियों को सुना गया और उसे दूर करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस दौरान नपा चेयरमैन गुलाब मौर्या, ईओ नवनीत सिंह, इरशाद आलम, मुरारी यादव, मनीष केसरी आदि रहे। पानी छिड़काव के दिए निर्देश अहरौरा-जमुई मुख्यमार्ग पर स्थित सोनपुर घाटी के पास सड़कों पर धूल काफी उड़ता हैं। इससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। एडीएम अमरेंद्र वर्मा ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी टीएन सिंह को निर्देशित किया कि जहां भी प्रदूषण की समस्या हो वहां पानी का छिड़काव होने चाहिए, जिससे लोगों को परेशानी न हो। विद्यालय में बिछवाएं जाए चौके अहरौरा के पट्टी कला में स्थित खनन पट्टा स्थल के पास प्राथमिक विद्यालय परिसर में जन सुनवाई के दौरान लोगों ने चौका बिछवाने की मांग की। इस पर एडीएम अमरेंद्र वर्मा ने पट्टा धारक को खनन पट्टा निधि से प्राप्त दो फीसद की धनराशि से चौका बिछाए जाने के लिए निर्देशित किया।

पहले मैच में ये हो सकती है CSK की प्लेईग इलेवन, मोइन की जगह में कान्वे को मिलेगा मौका

नई दिल्ली। नई उम्मीद, नए जोश और नए कप्तान के साथ चेन्नई की टीम आइपीएल 2022 में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भले ही सबसे सफल कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धौनी ने आइपीएल शुरू होने से ठीक दो दिन पहले अपनी जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंप दी हो लेकिन सीएसके की टीम को अब भी उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। नए कप्तान जडेजा के सामने उस टीम को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी जो पिछले 12 सीजन से धौनी ने अपने मेहनत से खड़ी की थी। टीम इस बार नई जरूर नजर आ रही है और फाफ डु प्लेसिस जैखे खिलाडियों की कमी सीएसके को जरूर महसूस होगी लेकिन खिलाडियों से प्रदर्शन कराना उन पर भरोसा जताकर एक अच्छी टीम खड़ी करना सीएसके की पुरानी और अच्छी आदत रही है। टीम अपना पहला मैच जीतकर इस सीजन की शुरुआत करना चाहेगी। पिछले कई सीजन से फाफ ने चेन्नई के लिए

ओपनिंग में अच्छा काम किया था। अब गायकवाड़ के साथ राबिन उथप्पा को ये जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। टीम में मोइन अली और दीपक चाहर की नहीं होंगे ऐसे में चेन्नई के पास पहले मैच में खुद को साबित करने का मौका होगा। रुतुराज गायकवाड़ और उथप्पा के ऊपर टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेविड कान्वे आएंगे। उन्होंने वर्ल्ड कप में अपनी बल्लेबाजी से सबको आकर्षित किया था। अगर उनका बल्ला चलता है तो सीएसके को फाफ की कमी नहीं खलेगी। मध्यक्रम में कान्वे होंगे तो जडेजा खुद को प्रमोट कर सकते हैं। शिवम दूबे और ड्वेन ब्रावो के रूप में टीम के पास एक अच्छा आलराउंडर का विकल्प है तो वहीं दीपर चाहर की अनुपस्थिति में एडम मिल्ने, वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण पर गेंदबाजी की जिम्मेदारी होगी। रुतुराज गायकवाड़, राबिन उथप्पा, डेविड कान्वे, रवींद्र जडेजा (कप्तान), शिवम दूबे, महेंद्र सिंह धौनी (विकेटकीपर), अंबाती रायडू, ड्वेन ब्रावो, क्रिस जार्डन, एडम मिलने, सुनील नरेन।

जयशंकर और एनएसए डोभाल का चीन के विदेश मंत्री को स्पष्ट संदेश, कहा- सीमा पर शांति के बिना सामान्य नहीं होंगे रिश्ते

नई दिल्ली। भारत के साथ सीमा विवाद को दरकिनार कर शेष द्विपक्षीय रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश में जुटे चीन को इससे ज्यादा स्पष्ट संदेश नहीं दिया जा सकता। चीन के विदेश मंत्री वांग यी को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दो टूक बता दिया कि जब तक पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सैनिकों की पूर्ण वापसी के साथ मई 2020 से पहले जैसी स्थिति बहाल नहीं की जाती है तब तक दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य नहीं किया जा सकता। इन बैठकों में चीन की तरफ से द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार के लिए तीन सुझाव दिए गए हैं जिसमें दीर्घकालिक लक्ष्यों के साथ रिश्तों को देखने की बात है। पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद पहली बार चीन के किसी आला मंत्री की यह भारत यात्रा थी शुक्रवार को वांग यी और जयशंकर की अध्यक्षता में दोनों पक्षों के बीच करीब तीन घंटे तक बैठक चली, जबकि डोभाल के साथ उनकी एक घंटे वार्ता हुई। गलवन घाटी में चीनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद जयशंकर और वांग की तीन बार दूसरे देशों (रूस और ताजिकिस्तान) में मुलाकात हो चुकी है। असलियत में दिसंबर 2019 के बाद से दोनों तरफ से एक-दूसरे देश में की गई यह सबसे बड़ी आधिकारिक यात्रा है। बैठक के बाद जयशंकर ने कहा, 'मैंने बहुत ईमानदारी से चीनी सैनिकों की घुसपैठ पर भारत की राष्ट्रीय भावना से उन्हें

अवगत कराया। सीमा पर अमन व शांति भारत व चीन के द्विपक्षीय रिश्तों की सबसे आवश्यक बुनियाद है। अगर हम रिश्तों को सुधारने को लेकर प्रतिबद्ध हैं तो हमारी कोशिशों में भी यह गंभीरता से दिखाई देनी चाहिए। अभी सीमा विवाद को सुलझाने को लेकर सैन्य कमांडरों और विदेश मंत्रालयों के बीच वार्ता हो रही है जिसकी रफ्तार सुस्त है और हमारी बातचीत का एक मकसद यह है कि इसे तेज किया जाए।' जयशकंर से यह सवाल पूछा गया कि क्या दोनों देशों के बीच सैनिकों को मई 2020 की घुसपैठ से पहले वाली स्थिति में ले जाने की कोई समय सीमा तय हुई है तो उनका जवाब था, 'यह काम चल रहा है और कुछ प्रगति भी हुई है। मेरा मानना है कि अभी सीमा पर स्थिति असामान्य है। बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती की गई है जो दोनों देशों के बीच वर्ष 1996 में हुई संधि का उल्लंघन है। हमारे द्विपक्षीय रिश्ते भी अभी सामान्य नहीं हैं।' वैसे तो जयशंकर और वांग यी की बैठक में सीमा से जुड़े मुद्दे ही छाए रहे, लेकिन बताया गया है कि कारोबार व आर्थिक रिश्तों, चीन में शिक्षा ग्रहण करने वाले भारतीय छात्रों की स्थिति और संयुक्त राष्ट्र जैसे दूसरे बहुराष्ट्रीय एजेंसियों में सुधार के मसले भी उठे। जयशंकर ने वांग यी से कहा कि चीन के विश्वविद्यालय कोरोना को आधार बना कर हजारों भारतीय छात्रों को पढ़ाई के लिए लौटने नहीं दे रहे हैं। इस पर वांग यी ने कहा कि वह वापस लौट कर संबंधित विभाग से बात करेंगे। वांग यी ने ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के संगठन) की बैठक के लिए विदेश मंत्री जयशंकर के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है। ब्रिक्स की सालाना शिखर बैठक की तिथि अभी तय नहीं है, लेकिन इस साल अक्टूबर-नवंबर इसके आयोजन की संभावना है। चीन के साथ ही रूस भी इस बैठक में सभी शीर्ष नेताओं को आमंत्रित करने पर जोर दे रहा है ताकि वो अमेरिका व पश्चिमी देशों को यह दिखा सके कि उनके साथ विश्व के कुछ दिग्गज देश हैं। भारत इस बैठक में शीर्ष स्तर पर भाग लेने के लिए तभी विचार करेगा जब एलएसी से चीनी सैनिकों की पूरी तरह से वापसी हो।एनएसए डोभाल ने भी वांग यी से मुलाकात में स्पष्ट कहा कि एलएसी से चीनी सैनिकों की पूरी तरह वापसी से पहले दोनों देशों के रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते हैं। डोभाल और वांग दोनों देशों के बीच सीमा वार्ता के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं। वांग ने इस मसले पर आगे की बातचीत के लिए डोभाल को चीन आने का निमंत्रण भी दिय शुक्रवार की बैठक में चीन की तरफ से तीन प्रस्ताव रखे गए। पहला, दीर्घकालिक लक्ष्यों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को आगे बढ़ाया जाए, दूसरा, एक दूसरे के विकास का फायदा उठाया जाए और तीसरा, बहुउद्देश्यीय प्रक्रियाओं में सहयोग करते हुए हिस्सा लिया जाए। तीसरे प्रस्ताव का सीधा मतलब यह है कि भारत को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइः ढांचागत सुविधाओं से जोड़ने की योजना) का विरोध छोड़ कर इसमें सहयोग करना चाहिए।

अगले साल हो सकता है महिला आइपीएल, BCCI बना रहा है योजना

मुंबई। बीसीसीआइ अगले साल छह टीमों के साथ महिला आइपीएल कराने की योजना बना रहा है। इस साल तीन टीमों के साथ ही महिला टी-20 चैलेंजर खेला जाएगा। इसका आयोजन प्लेआफ के दौरान पुणे में मई के अंत में हो सकता है। आइपीएल ने पहली बार 2018 में महिला टी-20 चैलेंजर का आयोजन किया था। में महिलाओं के लिए चार मैच होंगे। इसका आयोजन पुरुषों के प्लेआफ के दौरान किया जाएगा। महिला टी-20 चैलेंजर में तीन टीमें शामिल होंगी। सभी मैच पुणे में आयोजित होने की संभावना है। महिला टी-20 चैलेंजर में ट्रेलब्लेजर्स, सुपरनोवाज और वेलोसिटी के नाम से तीन टीमें मैदान पर उतरती हैं।

इसके बाद से अब तक इसके तीन सत्र हो चुके हैं। आइपीएल गवर्निंग काउंसिल के साथ बैठक के बाद बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा, 'इसे (पूर्ण महिला आइपीएल) एजीएम द्वारा पास किया जाना है। हम अगले साल तक इसे शुरू करने की उम्मीद में हैं।' वहीं, आइपीएल गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने कहा, 'प्रक्रिया (महिला आइपीएल शुरू करने के लिए) शुरू हो गई है। यह पांच या छह टीम की लीग हो सकती है। हालांकि, इस साल आइपीएल सुपरनोवाज ने 2018 और 2019 में खिताब अपने नाम किया था। 2020 में ट्रेलब्लेजर्स की टीम पहली बार चैंपियन बनी थी। 2021 में कोरोना के कारण इसका आयोजन नहीं हुआ था। इस बीच बीसीसीआइ कोविड -19 प्रतिबंधों के कारण खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा को देखते हुए आइपीएल 2022 में कोई उद्घाटन समारोह नहीं कराएगा। हालांकि, लीग के अंत में समापन समारोह आयोजित करने की योजना है।

कौन है आइपीएल 2022 का सबसे युवा खिलाड़ी जो राशिद खान के साथ कर सकता है गेंदबाजी

नई दिल्ली। आइपीएल में अगर बल्लेबाजी में क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स, विराट कोहली जैसे जितनी राशिद खान से रहती है। गुजरात टाइटंस के ट्विटर हैंडल से उनके बारे में लिखा गया है और फैंस

बल्लेबाजों के नाम हैं तो वहीं गेंदबाजी में राशिद खान, सुनील नारायण और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों का दबदबा रहा है। इस बार पहली बार खेल रही गुजरात की टीम में एक ऐसा ही गेंदबाज है जो न केवल आइपीएल आक्शन में सबसे युवा खिलाड़ी के रूप में बिका है बल्कि टीम को उनसे काफी उम्मीदें है हम बात कर रहे हैं गुजरात की टीम में शामिल किए गए 17 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज नूर अहमद की जिन्हें गुजरात टाइटंस ने आक्शन में 30 लाख की कीमत पर खरीदा है। नूर राशिद के बाद गुजरात की टीम में दूसरे अफगानिस्तानी क्रिकेटर है। वे पहली बार आइपीएल खेलने वाले हैं। क्रिकेट फैंस को उनसे उतनी ही उम्मीदें हैं से उन्हें प्यार देने की अपील की गई है। नूर अहमद के लिए आइपीएल का यह सीजन काफी महत्वपूर्ण होने वाला है क्योंकि ये क्रिकेट का सबसे बड़ा मंच माना जाता है। इस मंच पर यदि वो अच्छा कर पाते हैं तो उनका क्रिकेटिंग करियर काफी ऊपर जा सकता है और हो सकता है कि उन्हें अफगानिस्तान की नेशनल टीम में खेलने का मौका मिल जाए। गुजरात अपना पहला मैच एक और नई टीम लखनऊ के खिलाफ 28 मार्च को खेलेगा। यह मैच शाम 7.30 बजे वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। नूर को इस मैच में गेंदबाजी करने का मौका मिलेगा या फिर उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा ये तो वक्त बताएगा लेकिन फैंस उन्हें देखने के लिए जरूर उत्साहित है।

घर वापसी पर रंग बिखेरने को तैयार आइपीएल पहला मैच सीएसके और केकेआर के बीच

मुंबई। पिछले साल दूसरे चरण के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित होने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की घर वापसी की सारी तैयारी हो गई है। इस बार मुंबई के तीन स्टेडियमों के अलावा पुणे में आइपीएल का लीग चरण खेला जाएगा। 10 टीमों के साथ आइपीएल स्वदेश में अपना रंग बिखेरने के लिए तैयार है। इस बार लखनऊ सुपरजाइंट्स और गुजरात टाइटंस के रूप में दो नई टीमें आइपीएल में पदार्पण करेंगी। हालांकि, इस सत्र का पहला मैच शनिवार को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और पिछले साल की उप विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच खेला जाएगा। इस साल आस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप खेला जाना है और ऐसे में आइपीएल कुछ भारतीय खिलाडियों का भाग्य भी तय करेगा। पिच क्यूरेटर के लिए चुनौती : बीसीसीआइ को साल 2021 में कड़ा सबक मिला, जब उसे कोविड-19 महामारी फैलने के कारण बीच में टूर्नामेंट स्थगित करना पड़ा और बाद में उसे यूएई में पूरा करना पड़ा था। इसे ध्यान में रखते हुए इस समय लीग चरण के मैच मुंबई और पुणे के तीन स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि हवाई यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़े। ऐसे में पिच क्यूरेटर के लिए दो महीने तक पिचों को जीवंत बनाए रखना चुनौती होगी, लेकिन टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनने की पूरी संभावना है। मुंबई के लिए घर का फायदा : मुंबई इंडियंस की

टीम अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी, लेकिन उसके कप्तान रोहित शर्मा स्पष्ट कर चुके हैं कि उन्हें इसका कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। सूर्यकुमार यादव, कीरोन पोलार्ड, जसप्रीत बुमराह और इशान किशन जैस खिलाड़ी हालांकि अनुकूल परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। क्या बदलेगा आरसीबी का भाग्य : रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में सभी निगाहें विराट कोहली पर टिकी रहेंगी, जिन्होंने कप्तानी छोड़ दी है। लंबे समय तक सीएसके से जुड़े रहे फाफ डुप्लेसिस को आरसीबी की कप्तानी सौंपी गई है। आरसीबी अभी तक एक बार भी आइपीएल खिताब नहीं जीत पाई है। अब देखना होगा कि उनकी अगुआई में टीम का भाग्य बदलता है या नहीं। धौनी का हो सकता है आखिरी सत्र : दिग्गज महेंद्र सिंह धौनी का आइपीएल में यह आखिरी सत्र हो सकता है। उन्होंने पहले मैच से पूर्व कप्तानी छोड़कर रवींद्र जडेजा को कमान सौंप दी है। जडेजा पर सभी की निगाहें रहेंगी क्योंकि उन्हें उस टीम की कमान संभालनी है जिसका 2008 से ही धौनी नेतृत्व कर रहे हैं और जो टीम चार बार की चैंपियन है। इनकी भी होगी परीक्षा : इस बार श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या और मयंक अग्रवाल के नेतृत्वकौशल की भी परीक्षा होगी। अय्यर केकेआर की, जबकि राहुल लखनऊ और हार्दिक गुजरात की कमान संभालेंगे। अग्रवाल को पंजाब का कप्तान बनाया गया है। अय्यर इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स, जबकि राहुल पंजाब किंग्स की कप्तानी कर चुके हैं। हार्दिक के लिए यह आइपीएल में कप्तानी का पहला अनुभव होगा। उनकी प्रगति पर भारतीय टीम प्रबंधन की भी नजर होगी क्योंकि नियमित तौर पर गेंदबाजी नहीं करने के कारण उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। स्टेडियम में आकर मैच देखेंगे दर्शक : देश में कोविड-19 की स्थिति नियंत्रण में होने के बाद क्रिकेट प्रेमियों को 2019 के बाद पहली बार स्टेडियम में जाकर मैचों का आनंद उठाने का मौका मिलेगा। आइपीएल के सभी मैच भारत में खेले जाएंगे और स्टेडियम की क्षमता के 25 प्रतिशत दर्शक इसे स्टेडियम में जाकर देख पाएंगे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 31 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

मीना कुमारी की बायोपिक में ये एक्ट्रेस निभाने वाली है उनका किरदार

नई दिल्ली। बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा मीना कुमारी की बायोपिक बनने वाली हैं। टी-सीरीज ने दिवंगत अभिनेत्री के जीवन को पर्दे पर उतारने के लिए कमर कस ली है। साथ ही बॉलीवुड के गलियारों में इस बात पर भी चर्चा होने लगी है कि फिल्म में किस एक्ट्रेस को कास्ट किया जा रहा है। 31 मार्च 1972 में इस दुनिया को अलविदा कहने वाली मीना कुमार एक शायरा भी थीं। अपने 33 साल के फिल्मी करियर में उन्होंने 92 फिल्मों में काम किया था। फिल्म जगत का मानना है कि वो एक ऐसी कलाकार थीं जो खूबसूरती और अदाकारी में लाजवाब थीं, उनके जैसा ना कोई था और ना होगा। ऐसे में उनकी बायोपिक में कौन सी एक्ट्रेस को कास्ट किया जाएगा इसे लेकर काफी एक्साइटमेंट है। ईटाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक मीना

कुमार की बायोपिक में कृति सेनन को कास्ट किया जा रहा है। कृति ने अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान तो नहीं किया लेकिन वो इसे लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने अपने करीबियों के साथ इस न्यूज को शेयर किया है। मिमी में दमदार अभिनय के बाद एक्ट्रेस इस रोल के साथ न्याय कर पाएंगे ऐसी उन्हें उम्मीद है। बेशक, मीना कुमारी पर एक बायोपिक, अगर वह इसे करती है तो, उनके लिए एक बड़ी चुनौती होगी, लेकिन वह इसके लिए तैयार हो सकती हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जा सकती है। बायोपिक का निर्देशन कौन करेगा, कुछ नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है, पर इसपर अभी निर्णय नहीं किया गया। वहीं मीना कुमारी के जीवन पर एक ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा वेब सीरीज की योजना बनाई जा रही है, जिसकी आधिकारिक घोषणा पहले ही हो चुकी है। वह प्रोजेक्ट कमाल अमरोही के साथ उनकी प्रेम कहानी पर केंद्रित है। टी-सीरीज फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही हो सकती है।

SRK की बेटी ने सिर्फ एक डोरी पर टिकी ड्रेस पहन कराया बोल्ड फोटोशूट, 21 साल सुहाना खान ने डेब्यू से पहले मचाया बवाल

नई दिल्ली। बॉलीवुड सपरस्टार शाह रुख खान की तहर ही उनकी बेटी सुहाना खान भी हमेशा ही खबरों में बनीं रहती हैं। कभी अपनी स्टाइल को लेकर तो कभी अपनी पार्टी की फोटोज को लेकर। इन दिनों सुहाना अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर छाई हुई हैं। वहीं अब डेब्यू के बीच सुहाना की एक लेटेस्ट तस्वीर ने इंटरनट पर हर किसी का अटेंशन ग्रैब कर लिया है। इस तस्वीर में उनका बोल्ड लुक देखते ही बन रहा है। सुहान की ये तस्वीर इंटरनेट पर जंगल में लगी आग की तरह वायरल हो रही है। यहां देखें तस्वीर शाह रुख खान की लाडली सुहाना खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने एक लेटेस्ट लुक की तस्वीर शेयर की है। सुहाना की ये बोल्ड तस्वीर हर किसी की धड़कने बढ़ा रही है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि सुहाना ने फुल बैकलेस ब्लैक कलर की सैटिन ड्रेस पहनी हुई है। वहीं सुहाना की इस

ड्रेस में बैलून स्लिव्स हैं और नीचे से गाउन लुक है। बैक से सुहाना की ये ड्रेस सिर्फ एक स्ट्रैप से रुकी हुई है जो बेहद ही हॉट नजर आ रही है। सुहाना का ये हॉट उनके हर किसी को दीवाना बना रहा है। वहीं उन्होंने अपने बालों को स्टाइल देने के लिए मैसी टच के साथ एक बड़ा सा बन बनाया हुआ है। वहीं आगे से बालों को निकालकर स्टाइलिश लुक दिया गया है। एससीरीज की बात करें तो उन्होंने अपने कानों में सिर्फ ईयर रिंग्स पहने हुए हैं और सिंपल मेकअप के साथ अपने इस लुक को पूरा किया है। सहुाना के इस ड्रेस और उनके लुक की चर्चा इंटरनेट की तेजी हो रही है आपको बात दें कि डेब्यू से पहले ही सुहाना खान की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। अब सुहाना जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्ची' से आगस्त्या नंदा, जहान कपूर, खुशी कपूर के साथ बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। हाल ही में फिल्म के सेट से इन स्टार किड्स की काफी सारी तस्वीरें सामने आई थीं।

वेब सीरीज 'रूहानियत' के लीड एक्टर अर्जुन बिजलानी ने बताया कब आएगा दूसरा सीजन

नई दिल्ली। ओटीटी स्पेस में जैसे-जैसे कंटेंट की डिमांड बढ़ रही है, प्लेटफॉर्म्स भी प्रयोग करने के गुरेज नहीं कर रहे। अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स एमएक्स प्लेयर ने वेब सीरीज को लेकर एक नया

फॉर्मेट प्लान किया है, जिसके तहत पहला शो रूहानियत 23 मार्च को स्ट्रीम कर दिया गया है। इस फॉर्मेट के तहत दर्शकों को नये सीजन के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। प्लेटफॉर्म ने इसे प्रीमियम लॉन्ग फॉर्मेट ऑन ओटीटी नाम दिया है। रूहानियत का निर्देशन ग्लेन बरेटो ने किया। शो में अर्जुन बिजलानी, स्मिता बंसल, कनिका मान के साथ अमन वर्मा अहम किरदारों में हैं। शो की टीम बुधवार को प्रमोशंस के लिए दिल्ली पहुंची। एक बातचीत में अर्जुन ने शो को लेकर कहा- रूहानियत ऐसा शो है, जिस पर मैं करीब एक साल से काम कर रहा हूं और इसे रिलीज होते देखना बेहद सुखद है। ओटीटी पर यह शो क्लटर ब्रेकर यानी नई परम्परा शुरू करने वाला होगा, क्योंकि यह ओटीटी पर पहला प्रीमियम लॉन्ग फॉर्मेट सीरियल है। इसके 13 एपिसोड्स 23 मार्च को लॉन्च हो चुके हैं और अगला सीजन अप्रैल में आ जाएगा। इसके लिए लोगों को साल भर जैसा लम्बा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जैसा कि आम तौर पर होता है। रूहानियत में अर्जुन सवीर नाम का किरदार निभा रहे हैं। बिजलानी ने कहा कि यह एक भावनात्मक रूप से निचोड़ने वाला किरदार है, क्योंकि ऐसे किरदार के माइंडसेट में घुसना मुश्किल होता है, जो पूरी तरह सच्चे प्यार को नहीं मानता। छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री स्मिता बंसल रूहानियत के साथ ओटीटी स्पेस में डेब्यू कर रही हैं। स्मिता ने कहा कि रूहानियत एक ताकतवर शब्द है, जिसका मतलब रूह और समर्पण है। मेरा मानना है कि जीवन में जो कुछ भी करो, 100 फीसदी मन से करना चाहिए। यह शो रोमांटिक, माता-पिता, दोस्ती, शादी जैसी अलग-अलग भावनाओं को पेश करता है। कनिका नाम ने अपने किरदार प्रिशा को लेकर कहा कि मैं बिल्कुल भी रोमांटिक नहीं हूं, इसलिए मुझे अपने किरदार में घुसने में ज्यादा दिक्कत नहीं हुई, क्योंकि वो ऐसा ही है। इस किरदार ने मुझे प्यार के बारे में गहराई से जानने में मदद की। इस शो के लिए मैंने अपना दिल और रूह दोनों दे दिये। उम्मीद है कि दर्शकों को यह पसंद आ रहा होगा।

रणवीर सिंह की फिल्म '83' देखने के बाद भावुक हुए रिचर्ड हेडली 'कैप्स' कपिल देव के नाम लिखा खत

नई दिल्ली। 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम की पहली विश्व कप जीत पर बनी फिल्म 83 अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स नेटफ्लिक्स और डिजने प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो चुकी है। कबीर खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह ने तत्कालीन कप्तान कपिल देव का किरदार निभाया है, जबकि वर्ल्ड कप टीम के बाकी खिलाड़ियों की भूमिकाओं में कई जाने-माने कलाकार नजर आये। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर आने के बाद अब न्यूजीलैंड के लीजेंड्री क्रिकेटर रिचर्ड हेडली ने 83 देखी और फिल्म इस कदर भावुक हुए कि कपिल देव के नाम एक खत लिखा, जिसे कपिल ने सोशल मीडिया में साझा किया है। इस खत में वर्ल्ड कप के दिनों को याद करते हुए हेडली ने लिखा- हाई, कैप्स! मैंने नेटफ्लिक्स पर फिल्म अभी खत्म की है और आपसे सम्पर्क करने के लिए प्रेरित हुआ। फिल्म के जरिए 1983 के वर्ल्ड कप की यादों में लौटना अच्छा लगा। यह बहुत प्रेरणादायी फिल्म है, जिसने मुझे भी भावुक किया। फिल्म ने मुझे आपको एक व्यक्ति के तौर पर बेहतर समझने में मदद की। वहीं, यह भी समझने में मदद की कि आपने किस तरह अपनी बातों और फील्ड में अपने एक्शन से पूरी टीम को प्रेरित किया था। रिकॉर्ड बुक देखे बिना मुझे जिम्बॉब्वे के खिलाफ आपकी वो जबरदस्त ईनिंग, आपका स्कोर,

फाइनल में टीम का लो स्कोर और किस तरह टीम ने खुद को ऊपर उठाते हुए विंडीज को हराया, सब याद है। हेडली ने आगे लिखा कि आपको और जिम्मी को फिल्म में सक्रिय भूमिका निभाते हुए देखना अच्छा लगा। रणवीर सिंह ने आपका किरदार बेहतरीन ढंग से निभाया है। प्रोडक्शन बेहतरीन है और कहानी जानदार। हेडली ने फिल्म में भारतीय फैंस और सीमा पर सैनिकों के दृश्यों, असली फुटेज का इस्तेमाल करने से दृश्यों में आयी जान का भी जिक्र किया। हेडली ने लिखा कि भारतीय और वेस्ट इंडीज के खिलाड़ियों के किरदार निभाने वाले कुछ कलाकार वाकई बेहतरीन थे। मैल्कम मार्शल का बाउलिंग एक्शन जबरदस्त था। कपिल ने हेडली के इस खत को शेयर करते हुए उनका शुक्रिया अदा किया। बता दें, 83 में पंकज त्रिपाठी ने पीआर मान सिंह, बमन ईरानी ने फारुक इंजीनियर, दीपिका पादुकोण ने रोमी देव की भूमिका निभायी है। इनके अलावा ताहिर राज भसीन, साकिब सलीम, निशांत दहिया, चिराग पाटिल, धैर्य कारवा, एमी विर्क, हार्डी संधू, जीवा, आदिनाथ कोठारे, साहिर खट्टर, जतिन सरना ने विभिन्न खिलाड़ियों की भूमिकाएं निभायी हैं। नीना गुप्ता कपिल देव की मां के किरदार में हैं।

एमी विर्क ने शुरू की विक्की कौशल अभिनीत अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट की शूटिंग, जताया आभार

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और अभिनेता एमी विर्क ने बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर की आगामी अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट की शूटिंग को शुरू कर दिया है। इस अनटाइटल फिल्म में उनके साथ अभिनेता विक्की कौशल और एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इस अनटाइटल प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू होने की जानकारी एमी विर्क ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीर साझा कर दी है। इस तस्वीर में एक धर्मा प्रोडेक्शंस का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है, जिसपर प्रोडेक्शन नंबर 16 लिखा हुआ दिख रहा है। वहीं, क्लैपबोर्ड को देखकर मालूम होता है कि इस अनटाइटल्ड फिल्म के शूट को नाइट में किया जा रहा है। एमी विर्की ने इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर शेयर कर फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी को भी टैग किया है। धर्मा प्रोडेक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म निर्देशन आनंद तिवारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर करण जौहर, विक्की कौशल और निर्देशक आनंद तिवारी के साथ तस्वीरें साझा कर उनकी जमकर तारीफ भी की थी। बता दें, एमी विर्क उर्फ अमरिंदर सिंह ने अपने करियर की शुरुआत एक गाने से की थी, जो यूट्यूब पर काफी हिट हुआ। जिसके बाद उन्होंने कई हिट गानों का निर्माण

किया है। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2015 में आई पंजाबी फिल्म में अंग्रेजी से बतौर एक्टर अपना डेब्यू किया है। एमी विर्क ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत अजय देवगन की फिल्म भुज द प्राइड ऑफ इंडिया से की थी। इस फिल्म में उन्होंने फ्लाइट लेफ्टिनेंट विक्रम बाज जेठाजी का किरदार निभाया है। इसके अलावा उन्होंने रणवीर सिंह की सुपरहिट फिल्म 83 में बलविंदर संधू का किरदार निभाया है। इस फिल्म में साल 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम की विजय यात्रा को दर्शाया गया है, जिसके की शुरुआत भारतीय टीम ने अपने खराब प्रदर्शन से की थी।

सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद 'खुश' दिखने के लिए ट्रोल होने पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली।बिग बॉस फेम शहनाज गिल का ट्रान्सफॉर्मेशन सभी को चौंका रहा है। पिछले साल एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद से काफी

दिनों तक शहनाज सदमे में थीं। इस दौरान उन्होंने पंजाबी फिल्म 'हौसला रख' के लिए शूटिंग और प्रमोशन भी किया। अजकल डब्बू रतनानी के लिए काफी सिजलिंग फोटोशूट करने वाली शहनाज अपनी जिंदगी में वापस लौट रहीं हैं, पर शायद कुछ लोगों को यहीं रास नहीं आ रहा और वो उन्हें ट्रोल करने से बाज नहीं आते। एक्ट्रेस ने अब इसपर अपनी चुप्पी तोड़ी ह दरअसल, सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के तीन महीने बाद शहनाज को एक पार्टी में डांस करते देखा गया। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल होते ही लोगों में कानाफूसी शुरू हो गई। शहनाज का मजाक उड़ाया जाने लगा, लोग पूछने लगे कि इतनी जल्दी भूल गई सिद्धार्थ को शहनाज गिल ने शिल्पा शेट्टी के 'शेप ऑफ यू' चैट शो में इस घटना पर चर्चा की, जो मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक फिटनेस पर आधारित है। शहनाज ने जवाब दिया कि सिद्धार्थ हमेशा चाहते थे कि वह खुश रहे जब शिल्पा ने उनके हमेशा हंसमुख दिखने को लेकर सवाल पूछते हुए उन्हें छेड़ा। शहनाज ने कहा, 'अगर मुझे हंसने का मौका मिला, तो मैं हंसूंगी, और मैं खुश रहूंगी। अगर मेरा दिवाली मनाने का मन है, तो मैं मनाउंगी। क्योंकि स्वस्थ्य रहने के लिए खुश रहना बहुत जरूरी है। मैं इसे अपने दम पर भी करने की कोशिश करती हूं। यह पहली बार है जब मैंने इस टॉपिक पर बात की है और यह केवल इसलिए है क्योंकि आपने मुझसे पूछा। नहीं तो कोई भी कुछ भी कहे, मैं इन विषयों पर कभी बात नहीं करती। सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते के बारे में किसी को क्यों बताऊ मुझे किसी को जवाब देने की जरूरत नहीं है, मेरा उससे क्या संबंध था, उसके साथ मेरा रिश्ता क्या था। मुझे पता था कि वह कितने जरूरी थे। उसके लिए मैं कितनी जरूरी थी। मुझे खुद को किसी को समझाने की कोई जरूरत ही नहीं है।

राजामौली की ने की धमाकेदार शुरुआत, पहले ही दिन बनाया कमाई का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एसएस राजामौली की मोस्ट अवेटेड फिल्म आरआरआर ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। साथ फिल्म ने हिन्दी बेल्ट में धमाकेदार शुरुआत की है। वहीं तेलुगु में तो इसे बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचा दिया है। फिल्म प्री-बुकिंग में धीमी नजर आ रही थी, पर ऐसा हुआ नहीं। पहले दिन के ट्रेंड्स में आरआरआर की मल्टीप्लेक्स हो या सिंगल स्क्रीन, पूरे बोर्ड में स्पॉट बुकिंग शानदार थी। यह हिंदी फिल्म उद्योग में सबसे बड़ी गैर हॉलिडे ओपनिंग में से एक है। आरआरआर ने हिन्दी बेल्ट में पहले दिन में 20 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है, अभी शुद्ध आंकड़ों का इंतजार है। पर शुरुआती ट्रेंड्स बताते हैं कि फिल्म ने उम्मीद से लगभग 25 प्रतिशत अधिक कि कमाई की है, क्योंकि लोगों का मानना था कि ये 14 से 15 करोड़ के बीच का कलेक्शन करेंगी। पहले ही दिन 20 करोड़ के आंकड़े को पार करना वास्तव में अच्छे संकेत हैं। मुंबई आरआरआर के लिए सबसे अच्छा फेयरिंग सर्किट था, इसके बाद गुजरात, बिहार, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब का स्थान है। दक्षिणी बेल्ट हिंदी संस्करण के लिए अपेक्षाकृत धीमी थी, क्योंकि इसके संबंधित दक्षिण भारतीय संस्करण चेनन्ई, हैदराबाद, कर्नाटक और केरल जैसे स्थानों में पूरी तरह से छाए हुए थे। आरआरआर को लेकर लोगों का रिस्पॉन्स काफी पॉजिटिव है, और शुरुआती रिएक्शन से पता चलता है कि एसएस राजामौली के जादू ने सिने प्रेमियों के बीच फिर से क्लिक किया है। बता दें कि ये आंकड़े कहीं और बेहतर होते अगर इस पीरियड ड्रामा को होली के दिन रिलीज किया गया होता। चुकि शुक्रावर से वीकेंड स्टार्ट होता है, ऐसे में अभी शनिवार और रविवार को फिल्म क्या धमाल करेगी ये देखना बाकी है। वहीं द कश्मीर फाइल्स अभी भी पैर जमाए हुए है, जिससे ये साफ होता है कि आरआरआर को कड़ी टक्कर मिलने वाली है।

'बेहद' फेम जेनिफर विंगेट ने पानी में भीगते हुए शेयर कर दी अपनी ऐसी फोटोज

नई दिल्ली। छोटे पर्दे पर चुलबुली लड़की से लेकर रोमांटिक और निगेटिव रोल प्ले कर चुकीं जेनिफर विंगेट अपनी खूबसूरती से भी हर किसी को घायल करती नजर आती हैं। जेनिफर विंगेट न सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि अपने लुक और हॉटनेस की वजह से भी चर्चा में रहती हैं। वह सोशल मडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन जेनिफर अपनी हॉट एंड सी?जलिंग तस्वीरें के जरिए फैंस को दीवाना बनाती हैं। इसी बीच एक फिर से जेनिफर विंगेट के लेटेस्ट फोटोशूट ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। तस्वीरें देखने से अपना दिल जरूर थाम लें। यहां देखें तस्वीरें बेहद' फेम एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। जेनिफर ने पानी में भीगते हुए फोटोशूट कराया है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि पानी में भीगते हुए जेनिफर अपने अंदाज से फैंस को दीवाना बना रही हैं। इस दौरान जेनिफर ने नीले रंग की शिमरी ड्रेस पहनी हुई है और पानी में भीगते हुए नजर आ रही हैं। साथ ही अपने इस लुक को पूरा करने के लिए नाक में नथ और हाथ में हथफूल पहने हुए है। उनकी ये ज्वैलरी उनके लुक को और भी ज्यादा कातिलाना बना रही है। वहीं फोटोशूट में जेनिफर के फेस एक्सप्रेशन जितने ज्यादा अच्छे हैं उतना ही ज्यादा उनका

लुक भी अट्रैक्टिव है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों पर लगातार फैंस के रिएक्शन आ रहे हैं। इस पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'हे भगवान, मुझे सचमुच एक इंसान की जरूरत है जो मुझे इस तस्वीर को देखने से रोके, मेरा शाब्दिक अर्थ है।' वहीं एक ने लिखा, 'फिर से तापमान बढ़ाना बंद करें।' इस तरह के कई कमेंट्स एक्ट्रेस के कमेंट बॉक्स में भरे पड़े हैं। बात करें जेनिफर विंगेट के वर्कफ्रंट की तो वह जल्द ही अपनी बहुचर्चित वेब सीरीज कोड एम के दूसरे सीजन में नजर आने वाली हैं। दूसरे सीजन की घोषणा इस साल की शुरुआत में की गई थी। ऑल्ट बालाजी और जी5 की इस वेब सीरीज के ज़रिए जेनिफर एक बार फिर मेजर मोनिका मेहरा के किरदार में वापसी करने वाली हैं। इस बात की जानकारी अभिनेत्री ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी थी।

शोस्टॉपर बन ट्रोल हुई मीरा राजपूत लोग बोले

नई दिल्ली। एक्टर शाहिद कपूर की पतने मीरा राजपूत हमेशा सुर्खियों में छाई रहतीं हैं। जब से मीरा ने 2015 में बॉलीवुड स्टार से शादी की, तब से वह सोशल मीडिया पर एक दिवा बन गई हैं। मीरा राजपूत कपूर इंस्टाग्राम पर 3.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ काफी पॉपुलर स्टार वाइफ हैं। मीरा की फैन फॉलोइंग का आलम ये है कि किसी फिल्म बैकग्राउंट या पर्दे पर काम ना करने के बावजूद, उनके पास एनडोर्समेंट के लिए काफी सारे ब्रांड्स हैं। इसी के चलते अब मीरा ट्रोल्स के निशाने पर भी आ गईं हैं। हाल ही में, शाहिद कपूर की पत्नी और सोशल मीडिया दिवा मीरा राजपूत ने लैक्मे फैशन वीक 2022 समर कलेक्शन में मशहूर डिजाइनर आयशा राव के लिए रैंप वॉक किया। आइस ब्लू कलर के एंब्रॉयडरी वाले लहंगे में स्टार वाइफ ने खूब जलवा बिखेरा। कम से कम ज्वैलरी और

न्यूड मेकअप के साथ, मीरा ने फैशन शो में डिजाइनर के लिए शोस्टॉपर बनकर रैंप पर आग लगा दी। मीरा राजपूत की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, नेटिजन्स ने उन्हें शोस्टॉपर बनने के लिए ट्रोल किया। एक ट्रोल ने लिखा, 'इन्हें ही मौका क्यों दिया,' जबकि दूसरे ने कहा, 'सभी योग्य लोगों में से इन्हें चुना, भला क्यो एक अन्य ने कमेंट किया, 'किसी प्रोफेशनल मॉडल को क्यों नहीं लिया, ये भी तो नेपोटिज्म है। ज्यादातर लोगों को मीरा का ये लुक पसंद नहीं आया। हालांकि मीरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और ट्रोल होना उनके लिए कोई नई बात नहीं है। वर्क फ्रंट पर बात करें तो, शाहिद कपूर के पास अर्जुन तलवार निर्देशित जर्सी है। फिल्म जिसमें मृणाल ठाकुर भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। ये फिल्म 14 अप्रैल, 2022 को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वह अली अब्बास जफर की ब्लडी डैडी और राशी खन्न के साथ राज एंड डीके के साथ एक शीर्षक रहित वेब शो में भी दिखाई देंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद